RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक विनय उजाला

वर्ष-10, अंक 69 | उज्जैन, रविवार ● 30 मार्च 2025 | मूल्य 2.00 रुपए , कुल पृष्ठ - 8

म्यांमार में अब तक 1644 से ज्यादा की मौत... 2000 से अधिक घायल

2376 लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 24 घंटे में 16 भूकंप के झटके

म्यांमार में मलबे उगल रहे लाशें

नई दिल्ली

म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में आए भूकंप के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1644 तक पहुंच गया है। वहीं 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं।

इसके साथ ही म्यांमार में रेस्क्यू ऑपरेशन बड़े पैमाने पर जारी है। बता दें कि, 28 फरवरी को म्यांमार लगातार छह भूकंप के झटकों से थर्रा गया था और ये सिलसिला आज भी बरकरार रहा है। कल से लेकर आज तक म्यांमार में कुल 16 बार भूकंप के झटके लगे हैं। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई है।

यूरेशियन और इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेटों के बीच टकराव के कारण, म्यांमार में भूकंपीय खतरा उच्च स्तर पर है। अंतर्राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र की तरफ से बताए गए भूकंप मापदंडों के अनुसार, 1990 से 2019 तक हर साल म्यांमार और उसके आसपास के इलाकों में 3.0 से अधिक या उसके बराबर परिमाण वाली लगभग 140 घटनाएं हुई हैं।

यूएन ने 43 करोड़ रुपए की मदद

संयुक्त राष्ट्र ने रिलीफ प्रोग्राम शुरू करने के लिए म्यांमार को 5 मिलियन डॉलर (43 करोड़ रुपए) दिए। रूस के इमरजेंसी मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और जरूरी सामान के साथ दो विमानों को भेजा। चीनी की रेस्क्यू टीम सबसे पहले पहुंची। हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और मलेशिया भी रेस्क्यू टीम भजेंगे।

थाईलैंड में हालात सामान्य

थाई प्रधानमंत्री पाईतोंग्तार्न शिनवात्रा ने शनिवार को कहा कि शुक्रवार को आए भूकंप के बाद देश में हालात सामान्य हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बैंकॉक में सिर्फ एक इमारत गिरी थी, जो कि अंडर कंस्ट्रक्शन थी। उसके अलावा किसी और इमारत पर कोई असर नहीं पड़ा था।

संकट के समय म्यांमार के साथ भारत खड़ा

भारत संकट के समय म्यांमार के साथ खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के लिए 15 टन सामग्री, 80 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम और एक फील्ड अस्पताल को मदद के लिए भेजा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के जनरल से भी बातचीत की है। पीएम मोदी सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

2,000 से ज्यादा इमारतों को नुकसान

बैंकॉक शहर के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें अब तक 2,000 से ज्यादा इमारतों के नुकसान की रिपोर्ट मिली है। इसके लिए वे 100 से ज्यादा इंजीनियरों को तैनात करने जा रहे हैं। जियोलॉजिस्ट्स के मुताबिक यह देश में 200 साल में आया सबसे बड़ा भूकंप है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि केंद्र से सैंकड़ों किमी दूर बैंकॉक के कई इमारतें नष्ट हो गईं।

'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' कैंप का शुभारंभ

लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनसेवक बनकर कार्य करें युवा उद्यमी व प्रोफेशनल्स : सीएम

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' के दो दिवसीय बूट कैंप का शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने युवा उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को संबोधित करते हुए लोकतंत्र की रक्षा और राजनीति में उनके योगदान की आवश्यकता पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक हजार साल की गुलामी के बाद वर्ष 1947 में देश को स्वतंत्रता मिली। इस दौरान सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ, लेकिन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वोट के लालच में उस मंदिर का उद्घाटन करने से इंकार कर दिया। उन्होंने इस उदाहरण के जरिए यह भी कहा कि नेहरू जी ने देश के नैतिक मूल्यों और सनातन संस्कृति को वोट की राजनीति के लिए किनारे किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनसेवक बनकर कार्य करें। जिलों के विकास को और बेहतर तरीके से सुनिश्चित करने के लिए उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को जिलों में गठित विकास समितियों में जोड़ा जाएगा।

आजादी को समझने के लिए गुलामी का इतिहास समझना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत के प्राचीन शासन तंत्र की ओर इशारा करते हुए बताया कि सम्राट विक्रमादित्य और भगवान श्री कृष्ण के शासन में जनता की सेवा सर्वोपरि थी। उन्होंने यह उदाहरण दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विक्रमादित्य की तरह खुद को जनता का सेवक मानते हैं। डॉ. यादव ने बताया कि भारत में पहले के समय में राजा होते थे, लेकिन विक्रमादित्य ने सत्ता को जनता की सेवा के लिए समर्पित किया था। प्रधानमंत्री मोदी भी उसी तरह जनता की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हम गुलामी के इतिहास को नहीं समझेंगे, तब तक हम आजादी के महत्व को सही तरीके से नहीं समझ पाएंगे।

1 लाख युवाओं को राजनीति में लाने कर रहे काम

मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 2003 से पहले मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास दर केवल 0.02 प्रतिशत थी, लेकिन भाजपा सरकार के सुशासन और कल्याणकारी नीतियों के कारण आज मध्य प्रदेश की औद्योगिक विकास दर 12 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा देश में एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने की दिशा में काम कर रही है।

राष्ट्र की सेवा ही पार्टी का उद्देश्य

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भाजपा की विचारधारा को समझाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जन्म जनसंघ के रूप में हुआ था और पार्टी का मानना है कि राष्ट्र को देव मानकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य हमेशा राष्ट्र की सेवा करना रहा है और पार्टी सनातन संस्कृति के पुनर्निर्माण के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक अहम कदम उठाया है और इससे देश की एकता को मजबूत किया है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश के ओएसडी रहे आशीष वर्मा के निवास पर सीबीआई की दबिश

दुर्ग/रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी रहे आशीष वर्मा के भिलाई स्थित वसुंधरा नगर आवास शनिवार को सीबीआई की टीम ने दबिश दी। फिलहाल चार अधिकारियों की टीम उनके घर पर छानबीन कर रही है। इससे पहले भी सीबीआई टीम ने उनके अवास पर छापा मारा था लेकिन वे घर पर नहीं थे। उल्लेखनीय है कि 26 मार्च को सीबीआई ने भूपेश बघेल के निवास समेत राज्यभर में 33 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की थी। उस दौरान भिलाई के वसुंधरा नगर स्थित आशीष वर्मा के घर पर भी कार्रवाई हुई थी, लेकिन वे घर पर मौजूद नहीं थे।

राजधानी के एक्यूआई में सुधार, ग्रैप एक की पाबंदयां हटाई गईं

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। तेज हवा के कारण शनिवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 153 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। इसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में लागू ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण एक की पाबंदियां हटा दी हैं। शनिवार को सीएक्यूएम ने बताया कि दिल्ली की स्थिति को देखते हुए उपसमिति की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसन विभाग के पूर्वानुमान की समीक्षा की गई।

पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो विमान में यात्री की मौत, लखनऊ हवाई अड्डे पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, (हि.स.)। पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो विमान में शनिवार को एक यात्री की मौत हो गई। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे पर करायी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर की कार्रवाई शुरू कर दी है। सरोजनी नगर के थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति ने आज बताया कि इंडिगो विमान संख्या (छह-ई-2163) पटना से दिल्ली जा रही थी। इस विमान में असम के नलबारी निवासी सतीश चंद्र वर्मन पत्नी कंचन, दमाद केशव के साथ यात्रा कर रहे थे। इस दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। थाना प्रभारी ने बताया कि यह जानकारी उन्हें हवाई अड्डा प्रशासन ने दी। उन्होंने बताया कि परिवार के अवगत कराने पर क्रू मेम्बर्स ने इसकी जानकारी पायलट को दी। पायलट ने नजदीक पड़ रहे अमौसी हवाई अड्डे पर अधिकारियों से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेते हुए विमान को उतारा। हवाईअड्डे पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग टीम ने जांच के बाद यात्री को मृत घोषित कर दिया।

सुकमा मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी जगदीश उर्फ बुधरा सहित 17 नक्सली ढेर, सात की शिनाख्त

सुकमा, (हि.स.)

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गोगुंडा की पहाड़ी पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 25 लाख के इनामी जगदीश उर्फ बुधरा सहित 17 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इनमें 11 महिला नक्सली भी शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों में से सात की पहचान हो गई है। मुठभेड़ में डीआरजी सुकमा के तीन और सीआरपीएफ के एक जवान सहित कुल 04 घायल हुए हैं द्य इन घायल जवानों की हालत सामान्य है और खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी., डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन, पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण, डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह और अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि मुठभेड़स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 11 महिला नक्सलियों सहित कुल 17 नक्सलियों के शव बरामद हुए। अधिकारियों ने बताया कि प्रारम्भिक तौर पर अब तक 07 नक्सलियों की पहचान हुई है जिनमें 25 लाख का इनामी दरभा डिवीजन सचिव कुहड़ामी जगदीश उर्फ़ बुधरा निवासी पाउरगुडेम थाना पामेड़, एसीएम रोशन उर्फ भीमा पोडियम निवासी धुरगुड़ा थाना केरलापाल, केरलापाल एरिया कमेटी डीएकेएएमएस अध्यक्ष सलवम जोगी निवासी गगनपल्ली थाना एर्राबोर, डिवीजन सीएनएम अध्यक्ष माड़वी देवे गड़गडीपारा थाना गादीरास, सुरक्षा दलम कमांडर दसरी कोवासी निवासी कुतरोम थाना दरभा, पार्टी सदस्या हूँगी निलावाया थाना अरनपुर, प्लाटून मेडिकल टीम प्रभारी हिड़मे कोरमागोंदी थाना कुकानार शामिल हैं।

योगी सरकार का सख्त फैसला

धार्मिक स्थलों के पास अवैध बूचड़खानों और मांस बिक्री पर लगा प्रतिबंध

लखनऊ, (हि.स.)

2014 और 2017 के आदेशों की पुनर्बहाली, योगी सरकार ने फिर दोहराया अवैध बूचड़खानों पर प्रतिबंध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का सख्त आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समीक्षा बैठक करने के बाद नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और नगर आयुक्तों को बूचड़खानों को तत्काल बंद करने और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पुराने आदेशों की पुनर्बहाली- 2014 और 2017 में जारी आदेशों का हवाला देते हुए योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवैध पशु वध और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित होगी। इस फैसले को प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इनमें पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे।

राम नवमी पर विशेष निगरानी-6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के दिन विशेष प्रतिबंध लागू होगा। इस दिन पशु वध और मांस की बिक्री पूरी तरह बंद रहेगी। यूपी नगर निगम अधिनियम 1959 और खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 एवं 2011 के प्रावधानों के तहत, योगी सरकार ने अधिकारियों को उल्लंघन करने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण आयोजित किया गया

निसरपुर, निप्र। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा तीन दिवसीय पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण आजीविका मिशन भवन निसरपुर में आयोजित किया गया। जिसमें निसरपुर परियोजना की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण के बारे में बताया गया एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देने एवं उसके महत्व के बारे में बताया गया। इसमें क्षमता संवर्धन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में ईसीसीई पाठ्यक्रम और शैक्षणिक दृष्टिकोण की बुनियादी समझ विकसित करने के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकास के आयामों शारीरिक और मोटर संज्ञानात्मक सामाजिक भावनात्मक नैतिक सांस्कृतिक कलात्मक और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता के मूल्यांकन में क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाना है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण मे निसरपुर परियोजना की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित रही।

पत्रकार दिनेश पटेल बने उपसरपंच

मनावर, निप्र। जनपद पंचायत मनावर के अंतर्गत ग्राम पंचायत वायल में पंचों द्वारा एक मत होकर उपसरपंच पद पर वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पटेल को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। उल्लेखनीय है गत दिनों ग्राम

पंचायत वायल के सरपंच के खिलाफ ग्राम पंचायत के पंचों ने एक मत होकर अविश्वास प्रस्ताव पारित किया था। जिसमें पंचो द्वारा निर्वाचन के माध्यम से सरपंच को पद से मुक्त किया गया। जिसके पश्चात नवीन सरपंच भागीराम भाबर की घोषणा पंचो के द्वारा सर्वसम्मती से की गई। भागीराम भाबर द्वारा उपसरपंच पद से त्यागपत्र देने के पश्चात उप सरपंच का पद रिक्त होने से पंचों के द्वारा विशेष बैठक आयोजित कर सर्वसम्मति से ग्राम पंचायत वायल के वार्ड क्रमांक 03 के पंच दिनेश पटेल को उप सरपंच पद पर निर्वाचित की घोषणा की गई। बताया जाता है कि आगामी कार्यकाल के लिए दिनेश पटेल उपसरपंच पद पर कार्यरत रहेंगे। श्री पटेल की इस उपलब्धि पर ग्राम पंचायत वायल के निर्वाचित पंच, ग्रामवासियों, स्नेहीजनों एवं पाटीदार समाज संगठन ने बधाई दी। श्री पटेल ने बताया कि ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास तथा ग्रामवासियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निश्चित समय अवधि में मिले इस हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे। ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाना मुख्य लक्ष्य रहेगा।

छवि मांगरोलिया ने कक्षा पांचवीं में 91.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर निसरपुर का नाम किया रोशन

निसरपुर, निप्र। छवि मांगरोलीया ने कक्षा पांचवीं वार्षिक परीक्षा में 91.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का एवं निसरपुर नगर का नाम रोशन किया। परमानंद वत्स एकेडमी निसरपुर मैं अध्ययनरत छवि लोकेश मांगरोलीया ने कक्षा पांचवीं में सर्वाधिक91.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। छवि मांगरोलीया को माता-पिता एवं दादा व विद्यालय परिवार ने बधाई देते हुए छवि के उज्जवल भविष्य की कामना की।

व्यापारी व नागरिकों ने निकाली मौन रैली, किया विरोध प्रदर्शन

नगर में अव्यवस्थाओं के खिलाफ व्यापारियों ने एक घंटे अपने प्रतिष्ठान रखे बंद

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। नगर में अवस्थाओं से त्रस्त नागरिक विगत कई दिनों से सोशल मीडिया जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए गुहार लगा रहे थे लेकिन सुनवाई नहीं हो रही थी नगर में स्थिति यह हो गई कि चारों ओर धूल के गुबार उड़ते हैं व्यवस्थित सीवरेज लाइन की खुदाई और अन्य अव्यवस्था के कारण आखिरकार व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने शनिवार नगर व्यापारी एकता संगठन के बैनर तले सुबह मौन रैली निकाल कर अपना विरोध प्रदर्शन किया इस दौरान करीब 500 से अधिक व्यापारी रैली में शामिल हुए सुबह 9.00 बजे सुंदरेल फाटे से रैली प्रारंभ होकर महेश्वर चौराहे पर पहुंची इस दौरान नगर की के सभी प्रतिष्ठान भी बंद थे।

कई दिनों से व्यवस्था को लेकर मांग लेकिन कोई समाधान नहीं : व्यपारी संघ के अध्यक्ष राकेश पाटीदार ने बताया कि नगर में अव्यवस्थित सीवरेज जी खुदाई से विगत कई महीनो से व्यापारियों के व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। जगह-जगह खुदाई से आम जन परेशान हो रहे है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है साथ नगर में फायर ब्रिगेड वाहन का अभाव सीसीटीवी कैमरे बंद होना और सड़कों की मरम्मत न होना आदि कई समस्याएं गिनाई।

समाधान नहीं तो आगे और होगा आंदोलन : मौजूद व्यापारी ने बताया कि अभी सिर्फ मोन रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया है यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होगा तो आगे चरणबद्ध आंदोलन की राह पर व्यापारी और नगर के आम नागरिक जाएंगे बड़ी संख्या में व्यापारियों ने जमकर प्रशासन और जिम्मेदारों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की कुछ व्यापारी ने बताया कि नगर की महेश्वर चौराहे पर यातायात सुचारू नहीं होने से पूरे दिन जाम की स्थिति निर्मित होती है जिससे आम नागरिक सहित बाहर से आने वाले आगंतुक स्कूल पढ़ने वाले छात्र सभी लोग पूरी तरह परेशान होते हैं यहां शीघ्र निराकरण की बात कही चौराहे पर बड़ी संख्या में व्यापारियों के साथ हम नागरिक भी थे जिन्होंने जवाबदारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की

मौके पर पहुंचे अधिकारी : बड़ी संख्या में व्यापारी और नागरिक महेश्वर चौराहे पर एकत्रित हो गए इस दौरान नगर अध्यक्ष सीमा विष्णु पाटीदार सीएमओ माया मंडलोई नायब तहसीलदार कृष्णा सिंह पटेल थाना प्रभारी संतोष दूधी मौके पर पहुंचे और नागरिकों से शीघ्र निराकरण कर समस्या हल करने हेतु चर्चा की।

एक-दूसरे पर फिर लगे आरोप प्रत्यारोप

व्यापारियों के विरोध के बाद सीएमओ माया मंडलोई और नगर परिषद अध्यक्ष सीमा विष्णु पाटीदार ने फिर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए सीएमओ माया मंडलोई ने बताया कि मैं नगर में विकास कार्य करना चाहती हूं लेकिन मुझे कार्य करने नहीं दिया जाता फाइलों पर अध्यक्ष द्वारा साइन नहीं की जाती पलटवार में नगर अध्यक्ष सीमा विष्णु पाटीदार ने कहा कि नगर में कॉटन की फैक्ट्रियां हैं यहां पर फायर ब्रिगेड बहुत आवश्यक है लेकिन सीएमओ माया मंडलोई इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रही है अपनी मनमर्जी कर विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करती है चेतावनी स्वरूप अध्यक्ष ने कहा कि यदि 8 दिन के भीतर सीएमओ को नहीं हटाया गया तो वह भी आंदोलन करेगी सीवरेज लाइन की अस्त-व्यस्त खुदाई के संदर्भ में अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 1 तारीख के पहले सभी समस्याओं का हल कर दिया जाएगा

चैत्र नवरात्रि की अमावस्या को कोटेश्वर तीर्थ स्थल पर माताजी के भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई मां नर्मदाजी में आस्था की डुबकी

विनय उजाला

निसरपुर, निप्र। डॉ. सलीम खान। भूतड़ी अमावस्या के पर्व पर निसरपुर ब्लॉक के नर्मदा किनारे कोटेश्वर तीर्थ पर 39 डिग्री तापमान के बावजूद तीर्थ पर नर्मदे हर और गणगौर पर्व के चलते ईश्वर राजा और रनुबाई के जयघोष के साथ लगभग 25 हजार लोगो ने नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई।

चैत्र नवरात्रि पर्व के साथ भूतड़ी अमावस्या के योग बनने के चलते कोटेश्वर तीर्थ पर शनिवार सुबह से ही आलीराजपुर धार और झाबुआ जिले से बड़ी संख्या में चार पहिया और दो पहिया वाहन से बड़ी संख्या में लोग पहुंचने लगे थे कोटेश्वर तीर्थ के घाट पर आज से शुरू होने वाले चैत्र नवरात्रि और गणगौर माता के झाड़ खेलने वाले भक्त बड़ी संख्या में नर्मदा स्नान करने के लिए पहुंचे थे यह सब 39 डिग्री के तापमान में नंगे पैर ढोल के साथ नाचते और गणगौर माता के गीत समूह में गाते हुए चल रहे थे और नर्मदा स्नान करने के बाद घाट पर पूजन अर्चना करने के बाद अपने घर कलश में मां नर्मदा का पवित्र जल साथ में ले जा रहे थे।

प्रशासन की और से घाट पर राजस्व विभाग की और से नायब तहसीलदार निसरपुर पुलिस चौकी प्रभारी रवि वास्के सहित चौकी अमला मौजूद रहे।

तीन दिवसीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पोषण-पढ़ाई कार्यक्रम का समापन

विनय उजाला

मनावर, निप्र। विकासखंड स्थित जनपद पंचायत के सभा कक्ष और आजीविका भवन में तीन दिवसीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी परियोजना अधिकारी कविता मंजारे द्वारा बताया गया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण हेतु पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण दिया। इस दौरान आंगनवाड़ी 273 कार्यकर्ताओं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 0 से 3 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन और दिव्यांग बच्चों सहित 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा को बढ़ावा देना दूसरा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का ECCE पाठ्यक्रम की बुनियादी समझ और पोषण 2.0 और सक्षम आंगनवाड़ी सहित पोषण पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समझ को मजबूत करना पोषण में नवाचार करना आदि विषयों पर मास्टर ट्रेनर गायत्री पाटीदार, सुलोचना खोड़े, ममता मंडलोई, सुग्रीव मंडलोई द्वारा विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रभावी प्रशिक्षण दिया गया।

गर्मी के बावजूद शिक्षकों और बच्चों ने उत्साह दिखाया

एफएलएन मेले में गतिविधि और कौशल आधारित स्टाल लगाए गए

विनय उजाला

डही, निप्र। वार्षिक परीक्षाएं संपन्न होने के बाद गर्मी के दौर में आए द्वितीय चरण के एफएलएन मेले में शिक्षकों और बच्चों ने उत्साह दिखाया। इस उत्साह में कई जगह अभिभावकों ने भी पहुंच कर सहभागिता की। क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में शनिवार को एफएलएन मेले में कक्षा एक व दो के बच्चों के स्तर के आधार पर एक से बढ़कर एक गतिविधि व कौशल आधारित स्टाल लगाए गए। जिसमें लगी शैक्षणिक सामग्री का न केवल शिक्षकों, विद्यार्थियों बल्कि उनके अभिभावकों ने भी स्कूल में आकर अवलोकन किया और सराहना की। बच्चों की सहभागिता के आधार पर एफएलएन मेला रिपोर्ट कार्ड भी तैयार किया गया।

बीआरसी मनोज दुबे और बीएसी मनीषा ठाकुर ने पड़ियाल क्षेत्र की स्कूलों में जाकर मेले का अवलोकन किया। बीआरसी दुबे ने कहा कि एफएलएन? मेले के अंतर्गत होने वाली गतिविधियां शारीरिक, मानसिक, भाषा आदि क्षमताओं का आकलन है, जो स्कूली परिवेश में बच्चों के विकास के लिए सहायक होगा। इस दौरान शिक्षक राकेश घोषी, राजाराम कोचले, सरदार सिंह बघेल, हिम्मत सिंह अलावा, गजराज सिंह ठाकुर, श्रीराम निवास मीणा, कलावती अलावा, जड़बाई बामनिया, रेवा बामनिया, रमेश भिड़े आदि मौजूद थे। वहीं बीएसी हितेंद्र सिंह ठाकुर और मीनाक्षी ठाकुर ने नवीन प्रावि हनुमानपुरा कवड़ा की स्कूल में पहुंचकर बच्चों के साथ मेले में भाग लिया और बच्चों के साथ आवश्यक गतिविधि करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। बीएसी अजय भारद्वाज ने प्रावि मानकर पूरा बड़दा और प्रावि फिफेड़ा, प्रावि गाजगोटा की स्कूल में जाकर अवलोकन किया। प्रावि टेमरिया में सहायक सचिव कमल अलावा, पंच तार सिंह अलावा, जनशिक्षक प्रताप सिंह ओहरिया, शिक्षक राजाराम गनावा, देवी सिंह बामनिया, गौरी भिड़े, भारती योगी ने मेले में आए बच्चों को आवश्यक गतिविधि कराते हुए रिपोर्ट कार्ड बनाएं। इसके अलावा जन शिक्षकों ने भी अपने संकुल की स्कूलों में पहुंचकर मेलों का अवलोकन किया।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का शौर्य महाकुंभ में शामिल हुए कार्यकर्ता

देश और धर्म की सुरक्षा के लिए क्षेत्र के हजारों सनातनी कार्यकर्ता निकले

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। देश और धर्म की सुरक्षा ही देश का बल बजरंग दल की पहचान है । सेवा ,सुरक्षा और संस्कारो के लिये विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का शौर्य महाकुंभ 29 मार्च शनिवार को इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने रहा है ।

गांव गांव से पहुचे महाकुंभ मेंसनातनी : इस महाकुभ में पूरे प्रदेश से हजारों लाखो की संख्या बजरंग दल के कार्यकर्ता और सनातनी एकत्रित हो रहे है ।इस शौर्य महाकुंभ में शामिल होने के लिये पेटलावद क्षेत्र से भी बडी संख्या में युवा और सनातनी पहुचे पेटलावद, करडावद, बामनिया, सारंगी, रायपुरिया, झकनावदा, बनी शहित आसपास के गांवों से बडी संख्या में कार्यकर्ता शनिवार सुबह स्थानीय नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर एकत्र हुए।

विभाग मंत्री चतुर्वेदी नेतृत्व में हुए महाकुंभ के लिये रवाना : विभाग मंत्री सोरभ चतुर्वेदी ,के नेतृत्व में सभी सर्वप्रथम भगवान शिव महादेव के दर्शन किये और जय श्री राम के जयकारों के साथ निजी वाहनों ,बसों से बड़ी संख्या में इंदौर महाकुंभ के लिये रवाना हुए । इन सभी को रायपुरिया, झकनावदा आदि स्थानों पर जोरदार स्वागत भी हुआ। वही मन्दिर परिसर से रवाना होने से पूर्व हमारे क्षेत्र के पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल मांदल पर युवा जमकर नाचे भी ।

इनकी रही उपस्थिति : इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी,वरिष्ठ नेता पारस गादिया, एडवोकेट मनोज पुरोहित, रविराज पुरोहित,धर्मेश सोनी, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के दायित्ववान पदाधिकारि,ओर कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

02 अप्रैल को जांच तो 07 को मतदान अभिभाषक संघ पेटलावद के अध्यक्ष पद पर विनोद पुरोहित और अविनाश उपाध्याय ने किया नामांकन दाखिल

गणगौर पर्व के गीतों से क्षेत्र सहित नगर बाग में छाया उल्लास

प्रतिदिन लाई जा रही श्रृंगारित फूल पाती

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। इन दिनों पेटलावद कोर्ट परिसर में अभिभाषक संघ के चुनावों के चलते चुनावी सरगर्मी तेज है । दो साल में होने वाले अभिभाषक संघ के चुनावों में इस वर्ष संघ ने 24 मार्च सोमवार को चुनावी कार्यक्रम तय किया था ।

पुरोहित और उपाध्याय ने किया नामांकन दाखिल : इसके तहत अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन फार्म जमा करने का शनिवार 29 मार्च को अंतिम तिथि थी । निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र जायसवाल ,सहायक निर्वाचन अधिकारी रूपम पटवा ओर ईश्वरलाल परमार ने जानकारी देते हुए बताया की अध्यक्ष पद के चुनाव हेतुफॉर्म जमा करने के अंतिम दिन तक अभिभाषक विनोद पुरोहित ने अपना नामांकन दाखिल किया है, वही दो दिन पूर्व अधिवक्ता अविनाश उपाध्याय ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इस तरह इस पद पर अब अविनाश उपाध्याय एडवोकेट ओर विनोद पुरोहित के बीच सीधा मुकाबला तय है।

02 अप्रेल को फार्म वापसी की तारीख : स्टेट बार से पंजीकृत 50 अधिवक्ता इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। फार्म वापसी ओर जांच कि अंतिम तिथि 02 अप्रैल है। वही 07 अप्रेल सोमवार को मतदान होगा ।

प्रतिदिन लाई जा रही श्रृंगारित फूल पाती

विनय उजाला

बाग, निप्र। नगर सहित क्षेत्र में इस समय गणगौर पर्व का उत्साहभरा वातावरण बना हुआ है। पर्व के अन्तर्गत माता की बाड़ी में ज्वारे बोये गए हैं तथा वहां पर प्रतिदिन भक्ति भाव का दौर चलने के साथ जल सिंचन एवं धुप ध्यान किया जा रहा है। गणगौर महापर्व को लेकर नगर में सिर्वी समाज, माहेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज की बालिकाओ एवं महिलाओं ने फूल-पाती चल समारोह निकाला। अखंड सौभाग्य व सुख समृद्धि के प्रतीक गणगौर पर्व की निमाड़चल के साथ क्षेत्र में धूमधाम से शुरुआत हो चुकी हैं।

महिलाओं बालिकाओं द्वारा लाई जा रही प्रतिदिन श्रृंगारित पातियां।

गणगौर पर्व के दौरान नगर की माहेश्वरी महिला और वधू मंडल सर्व ब्राम्हण समाज की महिला मंडल द्वारा पाती की शोभायात्रा प्रति दिन निकाली जा रहा है। वहीं सिर्वी समाज संकल पंच के नेतृत्व में समाज की बालिकाओं व महिलाओं के द्वारा हताई चौक से प्रतिदिन फुल तथा पत्तियों से श्रृंगारित पातियाँ चल समारोह के साथ लाई जा रही है। बालिकाएँ अपनी सखी सहेलियो के साथ बाग बगीचे व विशेष स्थान से ढोल व तासे के साथ फुल व पात्तियाँ से सुसज्जीत हो कर सम्मिलित हो रही है ।

माता की बाड़ी पर हो रहे भजन कीर्तन : वहीं महिलाए रात्रि के समय माता की बाड़ी व घरों में झालरिये गाकर धानी, पतासे व बेर की प्रसादी का वितरण करती जिसे तम्बोल कहा जाता है। 31 मार्च को अंतिम बड़ी पाती के दिन बालिकाओं के द्वारा दुल्हा -दुल्हन बनकर विशेष श्रृंगारित पातियाँ लाई जायेगी। इस मनमोहक दृश्य को देखने नगर में भारी भीड़ उमड़ेगी।

गुड़ी पड़वा को लाये जायेंगे गुड़ले : पर्व के दौरान नव वर्ष गुड़ी पड़वा के दिन रात्री मे 8 बजे सिर्वी समाज की महिलाओं द्वारा नगर के कचहरी चौक से मिट्टी के गुड़लो का पूजन कर उसमे दीप जलाकर अपने सिर पर धारण करते हुए चल समारोह के साथ घरों पर लै जाया जायेगा। जो की विवाह परम्परा का एक हिस्सा होता हे और यह गणगौर पर्व भी शिव पार्वती के विवाह का ही प्रतीक पर्व है। महीलायें इसमे बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदारी निभाती है।

अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतिक : अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतीक पर्व गणगौर राजा धनियार व रणुमा के गृहस्थ प्रेम एवं शिव पार्वती के पूजन आराधना से जुड़ा हुआ आस्था के अनेक रंगो का प्रतीक पर्व है । इस पर्व पर जहाँ विवाहीत महिलाये अपने पति की लम्बी उम्र व परिवार की सुख सम्द्धि की कामनाऐ करती है वही कन्याओ के योग्य वर की प्राप्ति के लिये गौरी माता की आराधना करती है । सम्पूर्ण आयोजन मे समाज सकल पंच समिति व वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलता रहता है।

गुड़ी पड़वा के एक दिन पहले मुख्यमंत्री निवास में हुआ कार्यक्रम

नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख- समृद्धि लाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृहद मराठी समाज के साथ मनाई गुड़ी पड़वा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की गई चार गुड़ी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है।

इसी आधार पर होली, दीपावली जैसे त्योहारों की तिथियों का निर्धारण होता है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है। यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है, इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समृद्धि और विकास का नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और आनंद का भाव लाए, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेश के वृहद मराठी समाज द्वारा गुड़ी पड़वा के संदर्भ में मुख्यमंत्री निवास के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबांधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का समाज बंधुओं ने मंत्रोच्चार के बीच तिलक कर स्वागत किया और अंगवस्त्र एवं फल भेंट कर उनका अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मराठी साहित्य अकादमी, संत सेवा संघ पुणे, पिपलानी गणेश मंडल भोपाल और कोलार महाराष्ट्र मंडल भोपाल की ओर से परम्परागत गुड़ी भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश मराठी साहित्य संघ, भोपाल द्वारा प्रकाशित पत्रिका भोजपत्र का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में जबलपुर के पूर्व महापौर तथा निर्देशक मराठी साहित्य अकादमी संतोष गोडबोले, डॉ. अभिजीत देशमुख, मती नीलिमा देशपांडे सहित रीवा, इंदौर, भोपाल, मंडल, जबलपुर और विदिशा से पधारे समाज बंधु उपस्थित थे।

त्योहार और पर्व का अंतर बताया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम उत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं को जन सामान्य के सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य और शिवाजी महाराज जैसे महापुरुषों के प्रसंग से जीवन प्रबंधन और आत्म गौरव के अनेक सूत्र प्राप्त होते हैं । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने त्योहार और पर्व का अंतर बताते हुए कहा कि जन्माष्टमी, राम नवमी, नवरात्रि, एकादशी, द्वादशी आदि जिन अवसरों पर उपवास रखा जाए वह पर्व हैं। होली, दीवाली जैसे मंगल कामनाओं और आनंद के साथ मनाए जाने वाले अवसर त्योहार हैं। त्योहारों की बधाई देना उचित है बाकी अवसरों पर मंगल कामनाओं का आदान-प्रदान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार परीक्षा तथा अन्य ऐसे कार्यों के लिए जाने वाले व्यक्ति को शुभकामनाएं देना, उनके प्रति शुभेच्छा प्रकट करना उचित रहता है। भारतीय संस्कृति की समृद्ध शब्द संपदा के परिणाम स्वरुप ही हर अवसर पर भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए पृथक शब्द हैं। जबकि जहां शब्द भंडार सीमित हैं, वहां विभिन्न भावों की अभिव्यक्ति के लिए समान शब्दों का ही उपयोग होता है।

किसानों के हित में दावा-आपत्ति करने की तिथि बढ़ाई

भोपाल (विनय उजाला)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। इससे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिए कराए गए पंजीयन की जानकारी और गिरदावरी की जानकारी में आ रहे अंतर में सुधार करवा सकेंगे।

गौरतलब है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिए किसानों द्वारा कराए गए पंजीयन में दी गई जानकारी और पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी में विभिन्नता होने से आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने आयुक्त अभिलेख को गिरदावरी में संशोधन/दावा आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रेल तक बढ़ाये जाने का आग्रह किया था।

प्रधानमंत्री मोदी की म्यांमार को सहायता की पहल अभिनंदनीय

भोपाल, विनय उजाला । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्राकृतिक आपदा से आए महासंकट के समय म्यांमान को सहायता पहुंचाने की पहल का स्वागत और अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नेतृत्व में भारत वसुधैव कुटुंबकम के ध्ये मंत्र पर निरंतर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर आपरेशन ब्रह्मा के अंतर्गत म्यांमार को महासंकट के समय दवाओं एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं सहित 15 टन राहत सामग्री की पहली खेप रवाना कर भारत ने पुन- मानवसेवा के मंत्र को आत्मसात कर सहायता का हाथ बढ़ाया है।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: EL/TRD/58/2024-25/14 दिनांक: 27.03.2025

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु IREPS पोर्टल के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** TRD work in connection with construction of RUB & other engineering works at various location over Ratlam Division. **अनुमानित लागत:** ₹ 1,11,89,146/-. **बयाना राशि:** ₹ 2,06,000/-. **समापन अवधि:** 18 Months. **निविदा दस्तावेज़ की राशि:** Nil. **ऑनलाइन बिडिंग बंद होने की दिनांक एवं समय: 22.04.2025 at 15:00 hrs. ऑफर की वैधता:** 60 days from the date of opening. **वेबसाइट: www.ireps.gov.in नोटिस बोर्ड:** वरिष्ठ मंडल विद्युत् इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे के कार्यालय के प्रवेश द्वार के सामने।

Ak-13-1-471

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: M247GLRSRP252602 Date 27.03.2025

कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको का रि-पाइपिंग **कार्य. स्थान:** म का प्र/ दाहोद प.रेलवे कार्यालय. **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 2,00,06,280/- **बयाना राशि:** ₹ 2,50,100/- **ई-निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय:** ई-निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय **21.04.2025** को **14.30** बजे तक तथा ई-निविदा उसी दिन **15.00** बजे खोली जायेगी। **निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता:** www.ireps.gov.in/E-Tenders/Works/IR Electrical.

वरिष्ठ बिजली इंजीनियर (कार्य)
A-17-1-470 रोलिंग स्टाक कारखाना, दाहोद (प.रे)

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या - DRM-SnT-ADI-Sig 17 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत DRM/S&T निविदा संख्या DRM-SnT-ADI-Sig 17 वर्ष 2024-25 के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 28.04.2025, 15:00 बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** अहमदाबाद डिवीजन की मौजूदा पुरानी फायर अलार्म प्रणाली के विस्तार के संबंध में सिग्नलिंग सामग्री की आंशिक आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 2,14,95,091.68/- (दो करोड़ चौदह लाख पंचानबे हजार इकानबे रुपए और अड़सठ पैसे मात्र) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹2,57,500/-(रु. दो लाख सत्तावन हजार पांच सौ मात्र) **(4) निविदा बंद होने की तिथि और समय :** 28.04.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं। **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** 28.04.2025 को 15:30 बजे खुलेगा। **(6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट :** www.ireps.gov.in

357

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

आईसीएफ कोचों का रूपांतरण

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, भावनगर परा वर्कशॉप, पश्चिम रेल्वे की ओर से निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सं : BVPW-2024-25-RSP-09 कार्य का नाम : कार्य के दायरे के अनुसार बीवीपी वर्कशॉप में आईसीएफ कोचों को एनएमजीएचएस कोचों में परिवर्तित करना। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹16,64,27,403.66 **बयाना राशि :** ₹9,82,100.00/- **निविदा दस्तावेज़ शुल्क :** ₹00.00 **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की दिनांक से 12 महीने। **निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक व समय :** 18/04/2025 को 10:30 बजे **निविदा खोलने की दिनांक व समय :** 18/04/2025 को 11:00 बजे **जारीकर्ता :** उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, भावनगर परा, पश्चिम रेल्वे **ईमेल :** dycmews@bvp.railnet.gov.in **महत्वपूर्ण लेख :** निविदा केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से https://www.ireps. gov.in पर जमा की जाएगी और इस ई-निविदा के खिलाफ कोई मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस कार्यालय में प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा किया जाएगा और खोला नहीं जाएगा।**

229

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में दिए निर्देश

विद्यार्थियों को दिलाए बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा: उप मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल की सामान्य सभा की बैठक हुई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में अध्यनरत विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा प्राप्त कर अच्छे चिकित्सक बन सके।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से निरोगी काया अभियान की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीयन कराया जाए और समय-समय पर महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ एवं बीएमओ इस कार्य को प्राथमिकता से लें तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच करने हेतु मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित करें तथा वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग भी करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि संभागीय मुख्यालय शहडोल के बस स्टैंड से बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय तक के मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य तेजी पूर्ण कराए जिससे आने जाने वाले वाहन सुगमता के साथ और मरीज समय पर मेडिकल कॉलेज तक पहुंचकर अपना इलाज करा सकें। उप मुख्यमंत्री ने मरीजों को मेडिकल कॉलेज में दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली तथा सुचारू सेवा प्रदाय के निर्देश दिए।

योजनाओं की जानकारी ली... उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने महाविद्यालय में आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम एवं प्रसूति सहायता योजना की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना का लाभ मरीजों को दिलाना सुनिश्चित करें।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

संख्या: W/623/5/1/NIT **ई-टेण्डरिंग नोटिस** दिनांक: 27.03.2025

मण्डल रेल प्रबंधक/मण्डल कार्यालय (कार्यलेखा शाखा) पश्चिम रेलवे, रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये "खुली निविदा" ई-निविदा के माध्यम से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	ई-टेण्डरिंग संख्या और कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू	बयाना राशि रू	कार्य समापन अवधि
1	RTM-2024-25-148. Ujjain Bhopal, Indore-Dewas-Ujjain-Dewas-Maksi Section-Improvement to staff quarters (Total= 52 Nos.)	2,33,99,999.70	2,67,000.00	15 Months

Similar type of work: Any Civil Engineering Work. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि: 27.03.2025. निविदा खुलने की तिथि: 29.04.2025.** विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मंडल रेलप्रबंधक (कार्यलेखा) रतलाम
Ak-5-1-472 पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - राजकोट डिवीज़न

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या 44 वर्ष 2024-2025 दिनांक : 28.03.2025

क्र.सं.	ई-निविदा सं. एवं कार्य का नाम	अनुमानित एनआईटी लागत	ईएमडी लागत
1	DRM-RJT-2024-25-E-87 राजकोट डिवीजन: फेज-I के अंतर्गत राजकोट यार्ड की यात्री परिचालन लाइनों का सुधार और उन्नयन	3,18,82,490.24	3,09,400.00
2	DRM-RJT-2024-25-E-88 राजकोट डिवीजन: फेज-I के अंतर्गत मूली रोड, रामपर्दा, थान और वागडिया यार्डों की यात्री परिचालन लाइनों का सुधार और उन्नयन।	5,38,56,690.88	4,19,300.00
3	DRM-RJT-2024-25-E-89 राजकोट डिवीजन:- वंदे भारत ट्रेन के संबंध में वंकानेर सेक्शन के अंतर्गत पशु बाड़ लगाने का कार्य।	21,10,09,746.66	12,05,100.00
4	DRM-RJT-2024-25-E-90 राजकोट डिवीजन: फेज-I के अंतर्गत सुरेन्द्रनगर यार्ड की यात्री परिचालन लाइनों का सुधार और उन्नयन।	3,84,73,922.56	3,42,400.00
5	DRM-RJT-2024-25-E-91 राजकोट डिवीजन: फेज-I के अंतर्गत वाणीरोड, लखतर, बजरंगपुरा और बालारोड यार्ड की यात्री लाइनों का सुधार और उन्नयन।	3,87,79,101.32	3,43,900.00
6	DRM-RJT-2024-25-E-68R2 राजकोट डिवीजन:- विरमगाम-ओखा सेक्शन में 17 लेवल क्रॉसिंग गेटों (लेवल क्रॉसिंग नंबर 28, 31, 69, 74, 82, 90, 136, 147, 201, 202, 236, 289, 304, 305 और 306, राजकोट-भक्तिनगर सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 4 और माकनसर-मोरवी सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 31) पर आईपीएस के प्रावधान द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेटों की विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और टीआरडी कार्य।	1,73,21,660.55	2,36,600.00
7	DRM-RJT-2024-25-E-78R राजकोट मंडल: सुरेन्द्रनगर-राजकोट दोहरीकरण परियोजना के संबंध में राजकोट यार्ड में बची हुई कमियों के लिए विभिन्न पी-वे गतिविधियों का निष्पादन।	2,45,89,317.64	2,73,000.00

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 21/04/2025 समय 15:00 बजे **कार्यालय का पता :** मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट, गुजरात-360 001 **वेबसाइट :** www.ireps.gov.in

190

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस ⇌ अजमेर के बीच विशेष ट्रेन के फेरों का विस्तार और विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

गाड़ी संख्या	प्रारंभिक स्टेशन	गंतव्य स्टेशन	सेवा के दिन	कब तक विस्तार
09622	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	सोमवार	30.06.2025
09621	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	रविवार	29.06.2025

गाड़ी संख्या	प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन	प्रभावी कार्य दिवस	प्रस्थान	आगमन
09309	इंदौर - ह. निजामुद्दीन (द्वि-साप्ताहिक)	04.04.2025 से 29.06.2025	17.00 बजे (शुक्र और रवि)	05.00 बजे (अगले दिन)
09310	ह. निजामुद्दीन - इंदौर (द्वि-साप्ताहिक)	05.04.2025 से 30.06.2025	08.20 बजे (शनि और सोम)	21.00 बजे (उसी दिन)
	पड़ाव : देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधौपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशन दोनों दिशाओं में।			
	संरचना : एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान एवं द्वितीय सामान्य श्रेणी के डिब्बे।			
09343	डॉ. अंबेडकर नगर-पटना (साप्ताहिक)	03.04.2025 से 26.06.2025	18.30 बजे (गुरु)	18.30 बजे (अगले दिन)
09344	पटना-डॉ. अंबेडकर नगर (साप्ताहिक)	04.04.2025 से 27.06.2025	20.20 बजे (शुक्र)	23.20 बजे (अगले दिन)
	पड़ाव : इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बिना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन दोनों दिशाओं में।			
	संरचना : एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकॉनामी), शयनयान एवं द्वितीय सामान्य श्रेणी के डिब्बे।			

संबंधित विशेष गाड़ियों के पड़ावों संबंधित विस्तृत समय की सूचना हेतु कृपया www.equiry.indianrail.gov.in पर संपर्क करे।

गाड़ी संख्या 09622, 09309 और 09343 की बुकिंग 31/03/2025 से सभी पीआरएस काउंटर्स तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

गाड़ी संख्या	प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन	प्रभावी कार्य दिवस	प्रस्थान	आगमन
09309	इंदौर - ह. निजामुद्दीन (द्वि-साप्ताहिक)	04.04.2025 से 29.06.2025	17.00 बजे (शुक्र और रवि)	05.00 बजे (अगले दिन)
09310	ह. निजामुद्दीन - इंदौर (द्वि-साप्ताहिक)	05.04.2025 से 30.06.2025	08.20 बजे (शनि और सोम)	21.00 बजे (उसी दिन)
	पड़ाव : देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधौपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशन दोनों दिशाओं में।			
	संरचना : एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान एवं द्वितीय सामान्य श्रेणी के डिब्बे।			
09343	डॉ. अंबेडकर नगर-पटना (साप्ताहिक)	03.04.2025 से 26.06.2025	18.30 बजे (गुरु)	18.30 बजे (अगले दिन)
09344	पटना-डॉ. अंबेडकर नगर (साप्ताहिक)	04.04.2025 से 27.06.2025	20.20 बजे (शुक्र)	23.20 बजे (अगले दिन)
	पड़ाव : इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बिना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन दोनों दिशाओं में।			
	संरचना : एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकॉनामी), शयनयान एवं द्वितीय सामान्य श्रेणी के डिब्बे।			

संबंधित विशेष गाड़ियों के पड़ावों संबंधित विस्तृत समय की सूचना हेतु कृपया www.equiry.indianrail.gov.in पर संपर्क करे।

गाड़ी संख्या 09309, 09343 की बुकिंग 31/03/2025 से सभी पीआरएस काउंटर्स तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

विधानसभा अध्यक्ष तोमर और मंत्री ने किया स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने मुरैना जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड पर स्वास्थ्य कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। शिविर में देश एवं विदेश से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर एवं मुरैना जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री वर्मा ने शिविर में लगाए सभी विभागों के ओपीडी जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि का अवलोकन किया। इस अवसर पर सांसद विवेक तन्खा, कमलेश कुशवाह, समाजसेवी योगेशपाल गुप्ता, कलेक्टर अंकित अस्थाना, सीईओ जिला पंचायत कमलेश भार्गव सहित रोटरी के पदाधिकारी भूपेन्द्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-उज्जैन एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

राजस्व प्रकरण क्रमांक 100/अ-82/2024-25

क्रमांक : 2867/भू-अर्जन/2025 उज्जैन, दिनांक : 26/03/2025

:: प्रारंभिक अधिसूचना ::

(भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रं.30 सन् 2013) अंतर्गत धारा-11)

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे दी गई अनुसूची क्रमांक (1) में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत बैराज निर्माण एवं अन्य कार्यों के लिए भू-अधिग्रहण हेतु प्रस्तावित वर्णित भूमि जिसका सर्वे क्रमांक वार का विवरण अनुसूची (2) में उल्लेखित है, निम्नवर्णित अनुसूची (2) के खाने (1) से (5) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विर्निदिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना में विर्निदिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा, या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अध्याय के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय उस भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (4) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।

यह कार्य सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत तालाब निर्माण एवं अन्य कार्यों के निर्माण के लिए है, जो मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग मंत्रालय, भोपाल से स्वीकृत है। अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सामाजिक सामाद्यात निर्धारण किया गया, जिसका मूल्यांकन भू-अर्जन अधिनियम की धारा 7 के तहत विशेषज्ञ समूह द्वारा कराया गया, विशेषज्ञ समूह द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि उक्त परियोजना का निर्माण होने से स्थानीय क्षेत्र का विकास होगा, यह परियोजना क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। परियोजना निर्माण से क्षेत्र का आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जो कि लोकहित में है।

:: अनुसूची (1) ::

विवरण	अर्जित की जाने वाली भूमि का कुल क्षेत्रफल हेक्टर में
सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजा के अंतर्गत बैराज निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु।	5.14 हेक्टर

:: अनुसूची (1) ::

(1) **भूमि का विवरण**
(क) जिला :- उज्जैन
(ख) तहसील :- उज्जैन ग्रामीण
(ग) ग्राम :- कल्याणपुरा
(घ) निजी भूमि का अर्जित कुल क्षेत्रफल :- 5.14 हेक्ट.

क्रं.सं.	सर्वेक्षण संख्या	अर्जन हेतु निजी भूमि रकबा (हेक्टर में)	धारा-12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	110	0.14	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग उज्जैन	सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत बैराज निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु।
2	112	0.06		
3	336	0.06		
4	337	0.03		
5	339	0.15		
6	109/2	0.02		
7	109/3	0.30		
8	109/4	0.07		
9	108/4	0.08		
10	114/2	0.13		
11	119/1	0.02		
12	129/2	0.08		
13	108/5	0.35		
14	114/1	0.27		
15	111	0.51		
16	322	0.14		
17	106/1	0.05		
18	118/1	0.08		
19	118/2	0.20		
20	119/2	0.08		
21	126	0.07		
22	128/1	0.10		
23	136	0.04		
24	138/1	0.06		
25	142/2/2	0.04		
26	142/2/1	0.07		
27	139	0.04		
28	141	0.06		
29	151	0.02		
30	284/1	0.57		
31	284/2	0.57		
32	286	0.07		
33	292	0.04		
34	315	0.06		
35	321/1	0.02		
36	321/2/1	0.08		
37	321/2/2	0.09		
38	323	0.02		
39	332/2/1	0.02		
40	332/1/1	0.16		
41	333	0.06		
42	334/1	0.06		
	योग	5.14 हे.		

अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के संबंध में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग उज्जैन के समक्ष आक्षेप, यदि कोई हो फाइल किए जा सकेगा।

भूमि के संबंधित नक्शा (प्लान) कार्यालय/अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उज्जैन में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालयीन समय के दौरान देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(नीरज सिंह)
कलेक्टर उज्जैन एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग (म.प्र.)

जी-24919/24

"बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

सम्पादकीय

अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी

लंबे इंतजार के बाद आखिर, अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर वापिस आ गए।दोनों एस्ट्रोनॉट जून में केवल आठ दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्टेशन पर गए थे मगर धरती पर वापस लाने वाले वाले यान के खराब होने के कारण नौ महीनों बाद वापसी संभव हुई। स्पेसएक्स एलन मस्क की कंपनी है, जिसका ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तटीय समुद्र में उन्हें लेकर सत्रह घंटों में सुरक्षित गिराया गया। नासा की लाइव तस्वीरों द्वारा दुनिया भर में बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों ने अंतरिक्ष यात्रियों को देखा।अंतरिक्ष में तकरीबन 286 दिन बिताने वाले इन यात्रियों ने प्रति दिन सोलह बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखा। जांच के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। हालांकि वे कुछ समय के लिए रिकवरीशिप में रहेंगे। उसके बाद परिवार से मिलने की इजाजत दी जाएगी। फिर वे अपने अनुभव विशेषज्ञों से बांटेंगे और लंबी छुट्टी पर चले जाएंगे। अंतरिक्ष में रहने का वक्त अधिकतम छह माह माना गया है, मगर सुनीता और बुच को नौ माह रहना पड़ा जिसका शरीर पर गहरा असर होता है।गुरुत्वाकर्षण शून्य होने के कारण खून का प्रवाह प्रभावित होता है और हड्डियां/मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं। हालांकि यह धरती के वातावरण में आते ही प्राकृतिक रूप से सामान्य होता जाएगा। इसका मानसिक सेहत पर भी गहरा असर हो सकता है क्योंकि बार-बार यात्रियों के पृथ्वी पर लौटने की उम्मीदें नाममात्र रहने ने इन्हें बुरी तरह अवश्य प्रभावित किया होगा। नासा ने बाताया कि इस दरम्यान विलियम्स ने 150 वैज्ञानिक प्रयोग किए और नौ सौ घंटे रिसर्च में बिताए जो अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए मददगार साबित हो सकते हैं।अंतरिक्ष में मैराथन दौडने़ वाली पहली अंतरिक्ष यात्री रहीं विलियम्स अपनी तीन अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान बासठ घंटों से ज्यादा का स्पेस वॉक कर चुकी हैं। उनके पिता भारतीय हैं, इसलिए सुनीता के सुरक्षित लौटने को लेकर भारतवासी चिंतित थे। उन्होंने विभिन्न धार्मिक आयोजन किए। अंतरिक्ष में समोसे और गीता-उपनिषद ले जाने की बात कर विलियम्स ने भारतीयों में और भी अपनायित पैदा कर दी थी। इसका बड़ा श्रेय तो मस्क को ही जाता है। हालांकि उन्होंने इसे अमेरिकी चुनावों में राजनीतिक जंग के तौर पर इस्तेमाल किया था। बहरहाल, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी ने दुनिया भर में मुस्कुराहट फैलाने का काम किया है।

चैत्र नवरात्रि मां शैलपुत्री

सुजाता चौधरी
इन्दौर मध्य प्रदेश।

चैत्र मास का पहला दिन यह, नूतन संवत् मान।
नया साल लेकर यह आता, नवरात्रि पूज्यवान।
खुशी मनाते सर्व पूजकर माता रानी।
भरती तन में शक्ति,हमारी मात भवानी।
पहने चूड़ी लाल, मात आई पग धरनी।
जीवन में उल्लास, आ गया अब जग -जननी।
गूँज रही जयकार,खड़े हम तेरे द्वारे।
करती है कल्याण,करें माँ के जयकारे।
माँ सबको सद्बुद्धि दे, बढ़े शान्ति सद्भाव।
मिट जाए संसार से, घृणा द्वेष का भाव।
घर आवाहन चरण प्रक्षालन कोटि मैया तुम्हें करते नमन।
प्रति प्राणी मन कलुषित हरण, तव चरण कोटि-बार वंदन।
दया भावना तेरे मन मेंजो जो तेरी आरती गातामन वांछित फल पाता।
पापी भी तेरे द्वार आके अपना पाप मिटता।
डंका ढ़ोल नगाड़ा बाजे, करते सब गुणगान।
माँ चरणों में शीश नवाकर, माँगें शुभ वरदान।

विनय उजाला

बोहरा समाज ईद का पर्व आज हर्षोल्लास से मनाएगा

इब्राहिम रिज़वी

बड़वानी (विनय उजाला)। रमजान माह मे तीस दिन रोजे रख खुदा की बंदगी कर रविवार बोहरा समाज ईद का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाएगा। पर्व को लेकर व्यापक तय्यारी की गई है। बच्चों मे खासा उत्साह है, उन्हें नए कपड़े के साथ ईदी भी मिलेगी। ईद की रौनक इबादत करने वालों के चेहरे पर ईद की पूर्व संध्या से ही दिखाई दे रही है। सवेरे शहर की सैफी, नजमी मस्जिद,बुरहानी बाग मस्जिद और सतपुड़ा कालोनी मे स्थित मर्कज मे ईद की नमाज अदा होगी। नमाज बाद समाजजन गले मिलकर ईद की एक दुसरे को मुबारकबाद देंगे। इस दिन बच्चों को बड़ो से ईदी देने का रिवाज है। ईद को लेकर बच्चों मे विशेष उत्साह है। ईद के दिन समाजजनो के यहाँ शिरखुरमा और सेवईयां बनाई जाती है। ईद खुशियों का पर्व है लेकिन ईद की नमाज बाद समाजजन पहले गमी वाले परिवार मे जाते है जिससे कि खुशी वाले दिन वह अपने को अकेला ना समझे इसलिए समाजजन व रिश्तेदार उनके यहां पहुंचकर ईद की मुबारकबाद देते है।

महीने भर तक खुदा की बंदगी करने के बाद रोजदार के चेहरे पर ईद की अलग ही खुशी रहती है ईद की नमाज के बाद परिचित,दोस्त व रिश्तेदारों के यहां मुबारकबाद देने और मिलने मिलाने का दौर सवेरे से शाम तक चलता है। ईद की पूर्व रात्री मे ईशा की नमाज बाद विशेष नमाज अदा की और इस रात मे समाजजन एक दुसरे से दुआ मे याद करने की अर्ज के साथ वर्ष भर मे हुई भूल के लिए माफी तलब कर ईद की अग्रिम मुबारकबाद दी। शहर मे रहने वाले परिजनों और करीबी के यहाँ घर जाकर और बाहर रहने वालो को फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से भी मुबारकबादी अर्ज कर रहे है।

महर्षि गौतम जयंती 30 मार्च विशेष-

त्रिकाल द्रष्टा महर्षि गौतम और उनका न्याय दर्शन

नरेंद्र सिंह ठाकुर

विनय उजाला

भारतीय ऋषि परंपरा में महर्षि गौतम का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। उन्हें सप्त ऋषियों में से एक के रूप में माना जाता है।वह वैदिक काल के महर्षि और मंत्र दृष्टा थे।ऋग्वेद में उनके नाम के कई सूक्त विद्यमान हैं। उन्हें प्राचीन भारतीय दार्शनिक और न्याय दर्शन के संस्थापक के रूप में मान्यता प्राप्त है। गौतम ऋषि का उल्लेख कृतयुग अर्थात सतयुग, त्रेता युग और द्वापर युग में मिलता है,अत:वे त्रिकाल द्रष्टा माने जाते हैं।

महर्षि गौतम के जन्म के बारे में कोई सटीक तिथि की जानकारी उपलब्ध नहीं है। पारंपरिक हिंदू पंचांग के अनुसार उनका जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन अर्थात उगादी या गुड़ी पड़वा को हुआ, ऐसी मान्यता है। महर्षि गौतम को अक्षपाद गौतम के नाम से भी जाना जाता है। उनके पिता ऋषि अंगिरा एवं माता स्वराट थीं। उनके पुत्र का नाम शतानंद था। गौतम ऋषि का आश्रम वर्तमान में बिहार प्रांत के दरभंगा जिला के जाले विकासखंड के ब्रह्मपुर गांव में स्थित है। महर्षि गौतम का नाम सुनते ही उन्हें अपनी पत्नी अहल्या को पत्थर की शिला बन जाने का श्राप देने की कहानी मस्तिष्क पटल पर दृश्यमान हो उठती है। वहीं उनके द्वारा भगवान शिव की कठोर तपस्या कर मां गोदावरी को पृथ्वी पर लाने की कथा भी प्रचलित है। गौतम ऋषि को गोत्र का प्रवर्तक भी माना जाता है। ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के कारण गौड़ ब्राह्मण उन्हें अपना वंशज मानते हैं और अपने आराध्य की तरह पूजते हैं। इनका जन्मोत्सव वे प्रतिवर्ष बड़ी धूमधाम से मना कर कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।वहीं राजपूत भी गौतम को गोत्र प्रवर्तक होने के नाते अपने को गौतम गोत्र से सम्बद्ध मानते हुए उनकी आराधना करते हैं। इस लेख में इन सब का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए महर्षि गौतम के प्राचीन भारतीय न्याय दर्शन के प्रवर्तक होने के अनछुए पहलुओं पर विशेष प्रकाश डाला गया है।

अहल्या का शिला बनना व उसके उद्धार की कथा- पौराणिक कथाओं के अनुसार महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या थी, जो प्रात: स्मरणीय पंच कन्याओं में गिनी जाती हैं।अहिल्या ब्रह्मा की मानस पुत्री थी,जो विश्व में सुंदरता में अद्वितीय और अनुपम थी।हनुमान की माता अंजनी गौतम ऋषि और अहिल्या की पुत्री थी, ऐसी मान्यता है। प्रचलित लोक कथा के अनुसार गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या अनुपम सौंदर्यावती थी,उनकी सुंदरता के आगे स्वर्ग की अप्सराएं भी नतमस्तक थी, इसलिए देवता भी अहल्या पर मोहित थे। देवराज इंद्र भी अहल्या से विवाह करना चाहते थे, किंतु अहल्या ने ऋषि गौतम का वरण कर लिया, इससे इंद्र क्रोधित हो गया और उसने षड्यंत्र पूर्वक अहल्या के सतीत्व को नष्ट करने हेतु सोचा।जब प्रात: काल ऋषि स्नान हेतु नदी पर गए थे, तब वह गौतम ऋषि का वेश धारण कर उनके कक्ष में प्रवेश कर गया !उसका यह रहस्य अहल्या नहीं जान पाई और इंद्र अहल्या का सतीत्व नष्ट करने में सफल हो गया।जब ऋषि स्नान कर लौटते हैं तो अपने आश्रम से इंद्र को निकलते देख वे सारी बात समझ जाते हैं, और बिना कुछ सोचे - विचारे अहल्या को पाषाण की शिला बनने का श्राप दे देते हैं। इसका उद्धार त्रेता युग में भगवान श्री राम अपने चरणरज अहल्या के मस्तक पर लगाकर उसे श्राप मुक्त करते हैं। जिसका वर्णन वाल्मीकि कृत रामायण एवं रामचरित्र मानस में बाबा तुलसी ने बड़े ही विस्तार से अहिल्या उद्धार के नाम से किया है।

महर्षि गौतम द्वारा मां गोदावरी का पृथ्वी पर अवतरण की कथा- महा प्रतापी राजा भगीरथ जिस प्रकार वर्षों की तपस्या के बाद मां गंगा को शिवजी की जटा से पृथ्वी पर लाये थे।

इसी प्रकार महर्षि गौतम भी गंगा जी की एक धारा को भगवान शिव की वर्षों तक तपस्या कर शिवजी को प्रसन्न कर उनसे मां गोदावरी को ब्रह्मगिरि में अवतरित करने की प्रार्थना करते हैं। और भगवान शिव प्रसन्न हो मां गोदावरी नदी को पृथ्वी पर अवतरित कर देते हैं।जिसे गोदावरी या गौतमी गंगा या सप्त गंगा के नाम से पुकारा जाता है। जहां भगवान शिव स्वयं त्रंयबकेश्वर जो महाराष्ट्र के नासिक जिले में है ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान होते हैं। इन प्रचलित कथाओं के साथ ही गौतम ऋषि को भारतीय न्याय दर्शन के प्रवर्तक के रूप में माना जाता है।

न्याय दर्शन के प्रवर्तक- भारतीय दर्शनशास्त्र की एक महत्वपूर्ण प्रणाली महर्षि गौतम द्वारा प्रतिपादित न्याय दर्शन है, जो तर्क, ज्ञान और सत्य की खोज पर आधारित है। न्याय दर्शन मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताता है। न्याय दर्शन में शिक्षा का अभिप्राय तर्क पर आधारित विद्या और ज्ञान से है।इसके अनुसार तर्क के द्वारा किसी विषय का अनुसंधान अर्थात खोज करना है। महर्षि गौतम के अनुसार न्याय या तर्कशास्त्र कल्पना पर आधारित है। किंतु ज्ञान का विश्लेषण ज्ञान विषयक बोध या बुद्धि से ही संभव है। अत: ज्ञान सदा सर्वदा से सविषयक है। गौतम के अनुसार न्याय तर्क का पर्यायवाची शब्द है। किसी विषय की समीक्षा का नाम न्याय है। आपके अनुसार - प्रमाणेरर्थ परीक्षणं न्याय: अर्थात प्रमाणों के द्वारा अर्थ की परीक्षा को न्याय कहा जाता है।

महर्षि गौतम का यह न्याय दर्शन एक महत्वपूर्ण भारतीय दार्शनिक प्रणाली है, जो तर्क,ज्ञान और सत्य की खोज पर आधारित है।यह दर्शन मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताता है,जो आज भी प्रासंगिक है।

महर्षि गौतम की जन्म जयंती पर शत-शत नमन!

777, कृष्णबाग कॉलोनी, इंदौर

न्याय दर्शन की अवधारणाएं-

(1) प्रमाण- न्याय दर्शन में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रमाणों, प्रत्यक्ष अनुमान, उपमान और शब्द का महत्व बताया गया है।
(2) प्रमेय- न्याय दर्शन के अनुसार प्रमेय को उन वस्तुओं के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका ज्ञान होने से मोक्ष प्राप्त होता है।
(3) मोक्ष- ऋषि गौतम के न्याय दर्शन के अनुसार न्याय दर्शन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है,जो ज्ञान और तर्क के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
(4) आत्मा- न्याय दर्शन में आत्मा को एक स्वतंत्र और शाश्वत सत्ता माना गया है।
(5) शरीर- न्याय दर्शन में शरीर को आत्मा का वाहन माना गया है।
(6) इन्द्रियाँ- न्याय दर्शन में इंद्रियों को ज्ञान प्राप्त करने का साधन माना गया है।
(7) मन- न्याय दर्शन में मन को ज्ञान और विचार की प्रक्रिया का केंद्र माना गया है।
(8) प्रकृति- न्याय दर्शन में प्रकृति को संसार की रचना का आधार माना गया है।
(9) दोष- न्याय दर्शन में दोष को दु:ख का कारण माना गया है।
(10) फल- न्याय दर्शन में फल को कर्मों के अनुसार प्राप्त होने वाला सुख या दु:ख माना गया है।
(11) दु:ख- न्याय दर्शन में दु:ख को संसार की एक अनिवार्य सच्चाई माना गया है।
(12) उपवर्ग- न्याय दर्शन में उपवर्ग को दु:ख से मुक्ति माना गया है।

गुरु रंधावा ने अपने पहले इंडिपेंडेंट एल्बम 'विदआउट प्रेजुडिस' को किया रिलीज़, इस एल्बम मैं है कुल 9 गाने जो लोगो को कर रहे है आकर्षित

विनय उजाला

संगीत सेंसेशन गुरु रंधावा ने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर अपने पहले स्वतंत्र एल्बम विदआउट प्रेजुडिस का अनावरण कर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। यह इवेंट गुरु रंधावा और इस म्यूजिक ब्रांड की उपस्थिति में आयोजित हुआ, जहां दर्शक इस खास लॉन्च को देखने के लिए बेहद उत्साहित थे। जैसे ही लिरिकल वीडियो का अनावरण किया गया, दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जो विदआउट प्रेजुडिस को लेकर उत्साह को दर्शाती है।

लॉन्च के इस खास मौके पर गुरु रंधावा ने एक विस्तृत प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया, जिसमें उन्होंने विदआउट प्रेजुडिस के पीछे की रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ सहयोग पर भी चर्चा की और भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने के इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। इवेंट को एक उत्सव के रूप में समाप्त करने के लिए उपस्थित लोगों को एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज़ उपहार स्वरूप दी गई, जिससे उनके अनुभव को और भी खास बनाया गया। विदआउट प्रेजुडिस गुरु रंधावा के लिए एक साहसिक और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जो भारत की समृद्ध संगीत विरासत को अंतर्राष्ट्रीय ध्वनियों के साथ बखूबी जोड़ता है। हाल ही में, गुरु ने अपने म्यूजिक एल्बम के ऑडियो ट्रैक जारी किए हैं, जिन्हें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर आनंद लिया जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने अपने एक गाने गल्ला बाता का पूरा वीडियो यूट्यूब पर रिलीज़ किया है। इस गाने में गुरु रंधावा की सिग्नेचर वोकल एनर्जी को संक्रामक धुनों के साथ मिलाया गया है। जबकि गुरु रंधावा ने इस गाने को गाया है, इसके बोल गुरजित गिल ने लिखे हैं और संगीत की रचना हनी ढिल्लों और गुरजित गिल ने की है।

पारंपरिक और आधुनिक तत्वों के इस फ्यूजन का उद्देश्य वैश्विक दर्शकों, विशेष रूप से भारतीय प्रवासियों, के साथ तालमेल बिठाना है। जैसे-जैसे वह सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए नए मानक स्थापित कर रहे हैं, गुरु रंधावा भारतीय संगीत के सार को दुनिया के मंच पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंदौर-हजरत निजामुद्दीन एवं डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना के मध्य स्पेशल ट्रेन

विनय उजाला

रतलाम। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इंदौर-हजरत निजामुद्दीन एवं डॉ. अम्बेडकर के मध्य स्पेशल ट्रेनों के चलने से ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान यात्रियो को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09309/09310 इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल (द्वि-साप्ताहिक) : ट्रेन संख्या 09309 इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को इंदौर से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इस ट्रेन का देवास (17.33/17.35) बजे, उज्जैन (18.20/18.25) बजे एवं नागदा (19.20/19.45) बजे प्रति शुक्रवार एवं रविवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन इंदौर से 04 अप्रैल 2025 से 29 जून 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:00 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का नागदा (18.10/18.35) बजे, उज्जैन (19.20/19.25) एवं देवास (20.05/20.07) बजे प्रति शनिवार एवं सोमवार को होगा। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से 05 अप्रैल, 2025 से 30 जून 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09343/09344 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना स्पेशल (साप्ताहिक) :ट्रेन संख्या 09343 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 18.30 बजे डॉ. अंबेडकर नगर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शुक्रवार को 18.30 बजे पटना पहुंचेगी। इस ट्रेन का इंदौर (19.05/19.15) बजे, फतेहाबाद (20.08/20.10)बजे, उज्जैन (20.45/20.55) बजे एवं मक्सी (21.25/21.27) बजे प्रति गुरूवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन डॉ. अंबेडकर नगर से 03 अप्रैल 2025 से 26 जून 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09344 पटना- डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को पटना से 20.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शनिवार को 23.20 बजे डॉ. अंबेडकर नगर पहुंचेगी। इस ट्रेन का मक्सी (19.00/19.02), उज्जैन (20.35/20.40) फतेहाबाद (21.10/21.12) एवं इंदौर (22.10/22.15) बजे प्रति शनिवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन पटना से 04 अप्रैल 2025 से 27 जून 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

पोषण भी पढ़ाई भी - आंगनवाड़ी केन्द्रों में विकास को बाधित करने वाले

संकेतकों से प्रारंभिक वर्षों में ही विकलांगता की पहचान और उपचार

विनय उजाला

बाल्यावस्था मनुष्य के व्यक्तित्व, उसकी सफलता यहाँ तक की उसके सम्पूर्ण जीवन की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिकानिभाती है। बाल्यावस्था याने की गर्भ से लेकर 6 वर्ष तक कीअवस्था। इस अवस्था में शिशु को जिस तरह का परिवेश, देखभाल, व्यवहार माँ के गर्भ में व जन्म लेने के बाद मिलता हैवही उसके आने वाले जीवन की आधारशीला रखता है। इसमें भीअत्यन्त महत्वपूर्ण हैं गर्भ के नौ माह व शिशुके जन्म के बाद के 2 वर्ष, यानी कुल 1000 दिवस। इन 1000 दिवसों में शिशु कोमात्र शारीरिक वृद्धी के लिए पोषण की ही आवश्यकता नहीहोती, बल्कि उसे सीखने, समझने, पहचाननें आदि के लिएअवसरों की भी आवश्यकता होती है जो उसे उसके माता-पिता, परिवार, परिवेश व समाज दे सकते हैं। इसे हम शिशु की प्रथमपढ़ाई कह सकते हैं, जो घर की पाठशाला में खेल-खेल में बढ़े हीसहज वातावरण में दी जाती है।अभिमन्यू के द्वारा माँ के गर्भ में चक्रव्यूह की जानकारी प्राप्त करना इस बात का पुख्ता प्रमाण हमसबके सामने है।

घर में बच्चों को अच्छे पोषण के साथ-साथ खेल-खेल में सीखाने पढ़ाने का काम वर्षों से हमारी परम्परा रही है। लेकिनआज के समय में जब की संयुक्त परिवार खत्म होते जा रहे हैं, माता-पिता दोनो आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं , ऐसे मेंजीवन की बुनियादी बातें खो रही हैं, और इसका असर हमारीआने वाली पीढ़ी पर साफ नजर आ रहा है।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओंऔर 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को पोषण आहार के साथ- साथ 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों को अनौपचारिक शाला पूर्व शिक्षादी जाकर बच्चों को शाला की औपचारिक शिक्षा के लिए तैयारकरने का काम किया जा रहा है। गर्भवती व शिशुवती माताओं कोभी उनके व उनके शिशु के अच्छे स्वास्थ्य व सम्पूर्ण विकास कीजानकारी दी जा रही है। केन्द्र सरकार के कार्यक्रम पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यमसे अधिक व्यवस्थित तरीके से बच्चे के 1000 दिवसों, 3 वर्ष से6वर्ष की आयु, विकास के चरणों, प्रारंभिक वर्षों में ही विकासको बाधित करने वाले संकेतों की पहचान, माता-पिता कोजानकारी के साथ ही शीघ्रता से उपचार की व्यवस्था को प्रभावीतरीके से लागू किये जाने का प्रावधान है।

पोषण भी-पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीतिमें 3 वर्ष से छोटे बच्चों की देखभाल के साथ ही बच्चों मेंदिव्यांगता की पहचान के संबंध में प्रथम बार गतिविधियां चिन्हितकी गयीं हैं। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं शाला पूर्वशिक्षा की नई गतिविधियों का संचालन कर सकेंगी, 3 वर्ष सेछोटे बच्चों के पालकों को बाल विकास के संबंध में जागरूक करसकेंगी। साथ ही छोटे बच्चों में दिव्यांगता की पहचान करसकेंगी, जो बच्चों के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण पहलू है, एकसंवेदनशील मुद्दा है।

कभी-कभी, किसी बच्चे को विशेष योग्यताएँ विकसित होने में अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। उन्हें चलने या बोलने मेंअधिक समय लग सकता है और उसे सहायता की आवश्यकताहो सकती है। अगर समय पर इसे पहचान कर उचित देखभाल नकी जाए, तो बच्चे की विकास यात्रा बाधित हो सकती है औरभविष्य में विकलांगता में बदल सकती है।

संभावित विकलांगता के लक्षण हमेशा आसानी से दिखाईनहीं दे सकते हैं। किसी बच्चे में दृश्य हानि, श्रवण हानि, डाउनसिंड्रोम या सेरेब्रल पाल्सी आसानी से दिखाई दे सकती है। इसके विपरीत, बोलने में देरी जैसी सीखने की अक्षमताएं, जिससेसाक्षरता में देरी होती है, आसानी से दिखाई नहीं दे सकती हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विलंबित विकास वाले एवं दिव्यांगबच्चो की स्क्रीनिंग के इंडीकेटर्स प्रशिक्षण पुस्तकों के माध्यम सेउपलब्ध कराये गये हैं। प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, Developmental Delays वाले बच्चों को पहचान सकेंगी। इससेउनके उपचार को प्रारंभिक अवस्था में ही आरंभ किया जा सकेगा। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा गृह भेंट के समय, अभिभावकों के साथ स्क्रीनिंग के इंडीकेटर्स वाली गतिविधियों कोकिया जाएगा, ताकि अभिभावक को भी Developmental Delays वाले बच्चों की पहचान हो सके।

कार्यकर्ताओं द्वारा गृह भेंट के दौरान समय पर और नियमितजांच से देरी या संभावित विकलांगता के बारे में तुरंत पता चलसकता है। यदि शीघ्र पता लगाया जाए, तो कुछ प्रमुखजानकारियों के माध्यम से लगभग एक-तिहाई हानि को बिगड़ने सेरोका जा सकता है। भेंगापन, दृश्य दोष, जन्मजात मोतियाबिंदऔर श्रवण हानि जैसी दृश्य हानि को भी समय पर जांच, रेफरलऔर चिकित्सा हस्तक्षेप से गंभीर होने से रोका जा सकता है।

सिलसिलेवार चली प्रशिक्षण प्रक्रिया में राष्ट्रीय जन सहयोगएवं बाल विकास संस्थान (निपसिड), इंदौर एवं दिल्ली केविषय-विशेषज्ञों द्वारा द्वारा प्रदेश के 2,758 परियोजनाअधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स केरूप में तैयार किया गया था। अब यही मास्टर ट्रेनर्स प्रदेश कीसमस्त 95,253 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं।इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत अब तक लगभग 93,454 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। अन्यराज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश कार्यक्रम के क्रियान्वयन में आगेचल रहा है।

इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के विकास सेजुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षणकार्यक्रम की निगरानी निपसिड, जिला कलेक्टर सहितराज्यस्तरीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है। मार्च 2025 में दोचरणों में संचालित प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से ली गई है, जिससे उपस्थिति केवास्तविक आंकडे प्राप्त हुए हैं। संचालनालय के अधिकारियोंद्वारा जिलों का भ्रमण कर, आयोजित हो रहे प्रशिक्षणों काअवलोकन किया गया। समस्त प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण पूर्वमूल्यांकन एवं प्रशिक्षण पश्चात मूल्यांकन किया गया।

अच्छा पोषण, अच्छा सीखने को बढ़ावा देने में, सहायक होताहै। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से, पोषण भी-पढ़ाई भी प्रदानकरने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे नौनिहालों के अच्छे विकास के लिए सकारात्मक, स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ जीवन के प्रत्येक चरण में सीखने और बढ़ने के अवसर और शासनस्तर पर और अपनों के द्वारा देखभाल में कहीं भी कभी भी कमी नही होगी, आइए, एक साथ मिलकर हम अपनी भावी पीढ़ियों को उनके स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों का समर्थन करके सशक्त बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर ग्वालु में पास लगा कई किलोमीटर लम्बा जाम, वाहन चालक परेशान

बलवाड़ा, निप्र। इंदौर इच्छापुर हाईवे पर होटल बलराज ओर हरिओम ढाबे की सिंगल पुलिया पर कन्टेनर वाहन बीच सड़क पर खराब होने से लगा लम्बा जाम ।कई यात्री बसें सहित टू व्हीलर वाहन चालक हो रहे परेशान। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। इस इंदौर इच्छापुर हाईवे पर आवरलोडिग वाहनों की आवागमन अधिक होता है। जाम की सुचना लगते ही चोरल चोंकी का स्टाफ सहित सिमरोल थाना प्रभारी भी जाम किलीयर कराने में जुटे हुए हैं।

नर्मदा किनारे पहुंच मार्ग पर बार-बार लगा जाम, स्नान करने वाले श्रद्धालु हुए परेशान

कसरावद, निप्र। शनिवार को नर्मदा किनारे घाटो पर भूतडी अमावस्या के उपलक्ष में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ी नर्मदा तट पर सुबह से लेकर शाम तक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी इस दौरान नगर से 2 किलोमीटर दूर मुख्य नर्मदा घाट पहुंच नावडाटौडी मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही यहां आने जाने वाले वाहन चालक आपस में देर तक परेशान होते रहे टू व्हीलर फोर व्हीलर वाहन चालक को भी परेशानी सामना करना पड़ा। श्रद्धालुओं ने कहा कि पुलिस को मुख्य सड़क मार्ग पर पुलिस की ड्यूटी लगाना चाहिए ताकि सड़क मार्ग पर किसी प्रकार की राहगीरों का असुविधा का सामना ना करना पड़े श्री शनि देव मंदिर के ठीक सामने लगातार वाहन आमने-सामने फंसे होने से वाहन चालकों को सुविधा का सामना करना पड़ा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल महेश्वर आएंगे

खरगोन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31 मार्च को महेश्वर में देवी अहिल्या बाई होल्कर के त्रि-शताब्दी जन्म जयंती के अवसर पर संस्कृति विभाग मप्र शासन तथा विश्व मांगल्य सभा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाट्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महेश्वर पहुंचेंगे । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महेश्वर किले में लोकमाता अहिल्या बाई की राजगादी पर पुष्प अर्पित करने भी जाएंगे। कलेक्टर भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के निर्देशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महेश्वर कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। 31 मार्च को सांय 05:30 बजे महेश्वर में पुण्यश्लोका अहिल्या देवी होल्कर के 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर नागपुर के कलाकारों द्वारा राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाट्य का मंचन किया जाएगा।

पॉस्को और किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी दी

पुलिस अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। आज दिनांक 29.03.2025 को जिला बड़वानी के पुलिस थानों में पदस्थ बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को आज यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम और दिव्यांग सहायता पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के मार्गदर्शन में विशेष किशोर पुलिस इकाई, बड़वानी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागृह में आयोजित किया

गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को बच्चों के प्रति अपराधों की रोकथाम, बच्चों के अधिकारों की रक्षा और संबंधित विधिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से, प्रशिक्षण का उद्देश्य बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए सशक्त बनाना और उन्हें बच्चों से जुड़े मामलों में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना था।

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में सहायक अभियोजन अधिकारी संजय पाल मोरे, सुश्री कीर्ति चौहान तथा यूनिसेफ से ममता संस्था के जिला समन्वयक शैलेष बैरागी ने अपनी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। मोरे ने पॉस्को अधिनियम के तहत बच्चों के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। सुश्री कीर्ति चौहान ने किशोर न्याय अधिनियम और बच्चों के पुनर्वास पर जोर दिया, जबकि श्री शैलेश बैरागी ने दिव्यांग बच्चों के अधिकारों और उनके कल्याण के लिए लागू विधिक प्रावधानों पर प्रकाश डाला।इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें बच्चों के मामलों में पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलेभर से 50 से अधिक बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया और उन्हें बच्चों के मामलों में उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

संत श्री सिंगाजी शासकीय महाविद्यालय, राजपुर में जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित

बीएससी के लिए नवीन भवन की मांग और बीए इतिहास, एमएससी एवं एमए के संकाय खोलने का जनभागीदारी समिति में प्रस्ताव पारित किया

विनय उजाला

राजपुर (बड़वानी), निप्र। 28 मार्च 2025 ङ्क संत श्री सिंगाजी शासकीय महाविद्यालय, राजपुर में शुक्रवार को जनभागीदारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री प्रीतम राज जी बडोले ने की, जिसमें महाविद्यालय विकास से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयन्नवीन विज्ञान भवन निर्माण ङ्क पीयूआई से डीपीआर तैयार कर शासन को बजट आवंटन हेतु पत्र भेजने का निर्णय।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष प्रितम राज बड़ौले ने बताया पूर्व में जो प्रस्ताव पारित किए थे। इस महत्वपूर्ण बैठक में महाविद्यालय के प्राचार्य अशोक ठाकुर जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री लखन जी धनगर, श्री संदीप जी कामठे, श्री महेशजी भगोरे, श्री निलेशजी मुजाल्दे, श्रीमती दीपमालाजी राठौर उपस्थित रहे।

नए विषयों की स्वीकृति के लिए पत्राचार

- स्नातक स्तर पर इतिहास विषय प्रारंभ करने का प्रस्ताव।
- स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, राजनीति विज्ञान एवं भूगोल विषय प्रारंभ करने के लिए शासन से अनुरोध।
- ड्रेस कोड लागू : आगामी सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों के लिए टीटी निर्धारित ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय।
- बोटैनिकल गार्डन हेतु बजट की मांग : शासन से वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव भेजा जाएगा।
- अतिरिक्त भवन निर्माण की मांग : महाविद्यालय के विस्तार हेतु नए भवन के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।
- महाविद्यालय अधोसंरचना सुधार : सिविल इंजीनियर से अधोसंरचना की योजना तैयार करवाई जाएगी।
- माली पद स्वीकृति एवं नियुक्ति- महाविद्यालय परिसर के रखरखाव हेतु माली पद की स्वीकृति व नियुक्ति की मांग।
- कैंटीन सुविधा : जनभागीदारी समिति के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में कैंटीन स्थापित करने का निर्णय।
- छात्रावास हेतु 50-सीटर की मांग ङ्क बालक छात्रावास के लिए शासन से पत्राचार करने का निर्णय।
- वृक्षारोपण अभियान ङ्क आदिम जाति कल्याण विभाग एवं निमाड़ फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय में वृक्षारोपण करवाने का प्रस्ताव।
- सांसद घोषणाओं पर पत्राचार : लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों द्वारा की गई घोषणाओं को शीघ्र लागू करवाने हेतु पत्राचार।

चौराहे का नाम पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के नाम पर किए जाने के लिए सौंपा आवेदन

विनय उजाला

सेंधवा, निप्र। नगर पालिका परिषद सेंधवा द्वारा वर्तमान मे नगर के मुख्य चौराहों का नामांकरण देश के महान सपूतों के नाम पर किया जा कर उनकी प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही है। इसी कड़ी मे कांग्रेस पार्टी के पार्षद गणों हरचरण सिंह भाटिया, इकबाल शाह,कय्यूम शेख पेंटर, वली शेख एवं प्रिन्स शर्मा विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद सेंधवा के द्वारा इन्कम टैक्स ऑफिस और पशु चिकित्सालय के सामने स्थित चोराहे का नाम महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के नाम पर किया जाकर वहां पर उनकी प्रतिमा की स्थापित करने हेतु एक आवेदन अध्यक्ष व सीएमओ को सौंपा। आवेदन देने के पश्चात सभी ने कहा कि नगर के सौंदर्यीकरण के तहत नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण कराया जाकर वहा महान सपूतों की प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही है अगर महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के नाम पर उक्त चौराहे का नाम किया जाकर उनकी प्रतिमा की स्थापना की जाती है तो यह उन महान विभूति को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

04 सहायक उप निरीक्षक कार्यवाहक उप निरीक्षक के पद पर हुए पदोन्नत

पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर ने स्टार लगाकर पदोन्नत अधिकारियों को दी बधाई

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। पुलिस मुख्यालय के आदेश क्रमांक/पुमु/3/कर्मिक/स-12/718/2025 दिनांक 06.03.2025 के तहत 4 सहायक उप निरीक्षकों को कार्यवाहक उप निरीक्षक के उच्च पद का प्रभार सौंपा गया है। इन सहायक उप निरीक्षकों को उप निरीक्षक के उच्च पद पर पदोन्नति मिलने से उनके कार्यक्षेत्र में और भी अधिक जिम्मेदारियां आ गई हैं, और उनकी कार्यक्षमता व अनुभव का लाभ पुलिस प्रशासन को मिलेगा।

पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों में निम्नलिखित नाम शामिल हैं :

1. संजीव कुमार पाटील
2. गजेन्द्रसिंह ठाकुर
3. नानसिंह भौरे
4. झबरसिंह गोयल

इन सभी अधिकारियों ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के माध्यम से विभाग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और निष्ठा को प्रमाणित किया है। उनकी मेहनत और समर्पण के फलस्वरूप, उन्हें यह पदोन्नति दी गई है।पुलिस अधीक्षक, जिला बड़वानी श्री जगदीश डावर ने इन अधिकारियों को उनकी पदोन्नति पर स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री डावर ने कहा कि इन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में उनकी नई जिम्मेदारियां उन्हें और भी बेहतर तरीके से सेवा प्रदान करने में मदद करेंगी और पुलिस विभाग की कार्यकुशलता को और बढ़ाएंगी।

यह पदोन्नति पुलिस विभाग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो न केवल विभागीय कार्यों को बेहतर तरीके से करने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि सभी पुलिसकर्मियों के मनोबल को भी बढ़ाती है। इन अधिकारियों को शांति, कानून व्यवस्था और समाज की सेवा में योगदान देने के लिए और भी प्रेरणा मिलेगी।

एफएलएन मेला लगाया 10 बच्चों को कराया प्रवेश

विनय उजाला

कसरावद निप्र। राज्य शिक्षा केन्द्र निर्देशानुसार कसरावद के प्राथमिक विद्यालय क्र 03 मे आज स्नरूह मेला आयोजित किया गया जिसमे 60 से अधिक छात्रों और पालकों ने भाग लिया। शिक्षको ने कक्षा 1ली में प्रवेश को लेकर सक्रियता दिखाई और 10 बच्चो को प्रवेश भी करा दिया।

विद्यालय के शिक्षक विजय कुमार वर्मा,शाकिर पठान ,सुनीता वर्मा,एवं दुर्गा चौहान द्वारा विगत 20 वर्षो से स्वयं के व्यय से बच्चो को स्कूल बैग ,पेन,कॉपियां औरअन्य पाठ्य सामग्री दी जाती रही। इसलिये बच्चे और पालक प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 03 में प्रवेश की चाह रखते है। शिक्षको द्वारा वरिष्ठ कार्यालय के आदेश का राह न देखते हुये सभी दूर जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ से सूची प्राप्त कर सर्वे कर लिया और प्रवेश योग्य बच्चो के पालको को 2 अप्रैल को बुलाकर निर्देशानुसार प्रवेश भी करवाया जायेगा। संस्था के विजय वर्मा,सुनीता वर्मा ने बताया कि जल्द ही लक्ष्यानुसार शत प्रतिशत बच्चो को प्रवेश

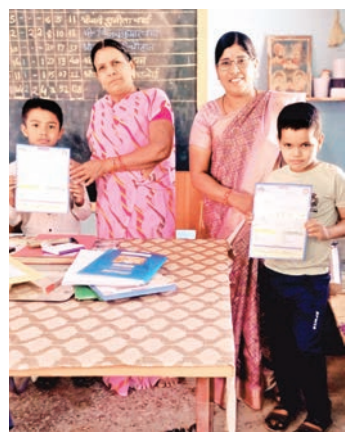

कराया जायेगा। बी आर सी राजाराम कानुडे, बी ए सी यशवंत सिटोले,संजय कर्मा,मुकेश यादव जनशिक्षक प्रवीण कुशवाह,देव हतागले ने कहा कि शिक्षको ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया। ऐसे ही विकासखण्ड के सभी शिक्षक शत प्रतिशत प्रवेश कराकर अपने लक्ष्य को हासिल करेंगे।

समस्याओं का निराकरण किए जाने के निए सौंपा आवेदन

विनय उजाला

सेंधवा, निप्र। नगर पालिका परिषद सेंधवा की साधारण सभा के पश्चात प्रिन्स शर्मा विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद सेंधवा द्वारा कांग्रेस पार्षद वली शेख,कय्यूम शेख पेंटर, इकबाल शाह के साथ अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सेंधवा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सेंधवा को एक आवेदन सौंपकर नगर के आम नागरिकों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने हेतु संबंधितों को आदेश देने हेतु अनुरोध किया।

उक्त आवेदन के संबंध में जानकारी देते हुए विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद सेंधवा प्रिन्स शर्मा ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा वर्तमान मे नगर के विकास हेतु विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण मे अच्छा प्रदर्शन किए जाने हेतु भी निरंतर प्रयास किए जा रहे है परंतु कुछ समस्याओ की ओर आज भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिस कारण आम आदमी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे नगर मे वर्तमान मे नगर पालिका द्वारा आंबेडकर कॉलोनी से हायर सेकेंडरी स्कूल तक डीवायडर युक्त रोड का निर्माण किया जा रहा है। उक्त रोड का निर्माण करने वाली एजेंसी के द्वारा निर्माण कार्य बहुत ही धीमी गति से किया जा रहा है एजेंसी के द्वारा अंबेडकर कॉलोनी से हायर सेकेंडरी स्कूल तक की एक तरफ की सड़क पूरी तरह से खोद दी गई है, जिस कारण आम लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एजेंसी के द्वारा इतने लम्बे मार्ग पर खुदाई करने के बाद भी कही भी कोई स्टापर या संकेतक नहीं लगाये गए है जिस कारण से रोज दुर्घटनाये हो रही है एवं आम लोग चोटिल हो रहे है 7साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूल से आगे नगर पालिका सीमा तक उक्त डिवाइडर युक्त रोड को बढ़ाए जाने हेतु भी कार्यवाही की जाए, ताकि इस हिस्से का नगर पालिका क्षेत्र में आने वाला पूरा मार्ग डिवाइडर युक्त हो जाए एवं उक्त मार्ग पर आदर्श होटल के आगे से मंडी जाने वाली रोड तक कि सारी स्ट्रीट लाइटे महीनों से बंद है जिस कारण रात्रि के समय अंधेरे में वाहन चालकों एवं पैदल आने जाने वालो को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

उक्त मार्ग पर कहीं कहीं छोटी एलईडी लाइट लगाई गई है जिससे भी मुख्य मार्ग पर अंधेरा रहता है। वर्तमान में गर्मी का मोसम चालू हो चूका है तो नगर में मच्छरों कि भरमार हो रही है नगर कि बस्तियों एवं कॉलोनियो के निवासियों को मच्छरों के कारण बहुत परेशनिया हो रही है। साथ ही नए बस स्टैंड परिसर में बने सुलभ शौचालय से निकलने वाले गंदे पानी कि निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने से वह निजी भूमि पर एकत्रित हो रहा है, जिससे वहा गंदगी और दुर्गन्ध फैली रहती है , साथ ही बाहर से आने वाले लोगो के मध्य नगर पालिका कि नकरात्मक छवि बन रही है। उक्त आवेदन सौंपते समय प्रिन्स शर्मा विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद सेंधवा,पार्षद गण कय्यूम शेख पेंटर,इकबाल शाह एवं वली शेख मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत कर किसानों ने अधिकारियों के काम पर जतायी नाराजगी

साहब ओंकारेश्वर नहर में पानी छोड़ दो,फसलें सूख रही, तुम्हारे पैर पढ़ता हूं

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। ओंकारेश्वर परियोजना नहर सूखी एक बूंद भी नही पहुचा पानी,नहर के लिए तरस रहे किसानों ने थक हार कर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करायी। बोले विधान सभा में विधायक ने इसे लेकर प्रश्न पूछा तो उसका भी उचित जवाब नहीं मिला। इस कारण समस्या का समाधान नहीं हुआ। अब सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई लेकिन वह भी काम नहीं आयी। पिछले 11 सालों से धैर्य रखा किसानों का धैर्य भी जवाब देने लगा है। इसलिए एक किसान ने तो वरिष्ठ अधिकारी के पैर तक

पढ़ने की मिन्नते की। फिर मिला कोरा आश्वासन पानी नही छोडा किसान बोले गर्मी के मौसम में खेतों में लगाई गयी मौसमी फसलों को सूखने से बचाये।

कसरावद निवासी एक किसान ने अपनी उम्र से बढे नर्मदा घाटी विकास परियोजना अधिकारी को गुहार लगाते हुए मजबूरवश यह कहने मे भी संकोच नहीं किया कि नहर का पिछले 11 वर्ष से पानी मिलने का रास्ता देख रहा हूं। एक बूंद भी पानी नहर में नहीं पहुंच रहा है। आंखें रास्ता देखकर तरस गई है और अब हौसला भी जवाब देने लगा है कि सिंचाई के लिए पानी मिलेगा या नहीं ऐसी स्थिति में

थक हार कर गुहार लगायी : किसान अजय श्रीवास्तव ने एनवीडीए विभाग के वरिष्ठ अधिकारी से कहा आप मेरे वरिष्ठ हो इस नाते तुम्हारे पैर पडता हूँ। एनवीडीए विभाग के जिम्मेदारों से कहा कि साहब पानी दे दो तुम्हारे पैर पढ़ता हूँ।

किसान श्रीवास्तव ने बताया कि नहर का मेंटेनेंस भी हो चुका है। कसरावद क्षेत्र में पानी नहीं आ रहा है।

सामेडा गांव के आसपास नहर का पानी पहुंच रहा है। उसके आगे पानी नहीं पहुंचने से किसान परेशान हो चुके हैं। विभाग की लापरवाही है कि मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ पर खर्च हो चुके हैं वहीं इसके निर्माण के दौरान शासन ने करोड रुपए खर्च कर फूक दिए हैं इन किसानों के लिए नहर अनुपयोगी साबित हो रही है।

किसानों ने कहा- 11 साल में इंतजार के अलावा कुछ नहीं मिला

क्षेत्र में सिंचाई रकबा बढ़ाने के लिए नहरों का जाल तो बिछा दिया गया है, लेकिन इनमें पानी नहीं पहुंच रहा है। ओंकारेश्वर परियोजना की नहर में पानी आने की उम्मीद किसान लंबे समय से लगाए बैठे हैं लेकिन खेतों में सिंचाई के लिए पानी नहीं पहुंच रहा है। यहां तक की पिछले दो माह से साफ की गई नहर ही पानी को तरस रही है।

नहर में पानी आने को लेकर किसानों ने पूर्व में एनवीडीए विभाग के मंत्री का रास्ता भी रोका था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि जल्द ही पानी पहुंचेगा लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। क्षेत्रीय विधायक सचिन यादव ने इसको लेकर विधानसभा में प्रश्न भी पूछा। मंत्री ने जवाब में पर्याप्त पानी मिलने की बात कही। लेकिन हालात जुदा है। किसानों का कहना है कि हर बार की तरह यह सीजन भी बीत गया है।

सफाई में देरी, अब टूट रही पानी आने की उम्मीद : किसान बबन यादव, कैलाश यादव, सुखदेव यादव व विक्रांत यादव ने बताया ओंकारेश्वर नहर परियोजना का पानी किसानों के खेतों में नहीं पहुंच पा रहा है। इस बार आस थी कि पानी पहुंचेगा, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी निराशा हाथ लगी है। पहले क्षतिग्रस्त नहरों को दुरुस्त करने व सफाई करने को लेकर प्रयास देरी से किए गए। लेकिन पानी आने की उम्मीद दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। समस्या के समाधान को लेकर संबंधित नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण विभाग के जिम्मेदारों से बात की जाती है तो संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। किसानों ने कहा पहले नहर में बैठकर आंदोलन किया। अफसरों को अवगत करवाया। राज्य शासन ने निरीक्षण के लिए पूर्व में दल भी भेजा। लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हो रहा है।

एक दशक से कर रहे सिर्फ इंतजार : ओंकारेश्वर परियोजना की नहरें कसरावद कमांड एरिया में सूखी पड़ी है। किसानों ने कहा-11 साल पहले क्षेत्र में नहरें बनी थी। उस समय लगा था कि सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने से उत्पादन बेहतर होगा। किसान आर्थिक रूप से उन्नत हो सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय प्राथमिक विद्यालय गुनावा में एफएलएम मेला आयोजित

उज्जैन, निप्र। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किए गए प्रावधान के अन्तर्गत निपुण भारत द्वारा 2027 तक सम्पूर्ण देश में बुनियादी साक्षरता संख्या ज्ञान (एफएल एन) मिशन के तहत लक्ष्य प्राप्ति हेतु शासकीय प्राथमिक विद्यालय, गुनावा में एफएलएन मेले का आयोजन किया गया। मेले की गतिविधि शिक्षक शहजाद खान, सुनील पाटीदार ने छात्र-छात्राओं को एफएलएन मेले की गतिविधि की गई।

राजस्थान युवा मंच द्वारा गणगौर महोत्सव 1 अप्रैल को होगा

नागदा जं., निप्र। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राजस्थान युवा मंच बिरलाग्राम नागदा के तत्वावधान में गणगौर महोत्सव का आयोजन दिनांक 1 अप्रेल 2025 मंगलवार को किया जा रहा है। गणगौर महोत्सव को रामलीला मैदान बिरलाग्राम में गणगौर चबुतरे पर दोपहर 1 बजे से महिलाओं द्वारा गणगौर माता व ईशर जी, जो कि भगवान शिव व माता पार्वती का रूप है, की पुजा की जावेगी जो सायं 5 बजे तक होगी। तत्पश्चात् 5 बजे गणगौर महोत्सव का चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से निकाला जायेगा। चल समारोह में ऊँट, घोड़ी सहित आगे-आगे ढफ मण्डली द्वारा पारम्परिक गायन व महिलाओं द्वारा गणगौर माता के मांगलिक गीत गाते हुए चल समारोह निकलेगा जो बिरलाग्राम मार्केट, गवर्मेन्ट कॉलोनी, होते हुए हनुमान मंदिर प्रांगण में गणगौर घाट पर पहुंचेगा। वहां जाकर एक बार फिर गणगौर ईशर जी की पुजा की जावेगी व उनको पानी पिलाने के बाद समारोह का समापन होगा। मंच द्वारा सभी धर्मप्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में गणगौर महोत्सव में शामिल होकर धर्मलाभ ले।

नीम के पत्तों का प्रयोग कर चर्मरोग दूर करे-डॉ. जोशी

उज्जैन, निप्र। नववर्ष की शुरुआत पर गुड़ी पड़वा पर्व पर नीम के पत्तों का प्रयोग कर चर्मरोग दूर करे। चैत्र नवरात्रि में अनादि काल से यह मान्यता है, आयुर्वेदाचार्य ने संहिता ग्रंथ में यह वर्णित किया है कि गुड़ी पड़वा पर्व पर15 दिन तक नीम का प्रयोग काली मिर्च व मिश्री के साथ मिलाकर करने से सालभर त्वचा रोग उत्पन्न नहीं होते। नीम और पीपल ही ऐसे वृक्ष हैं, जो 100 प्रतिशत आक्सीजन इस संसार को प्रदान कर रहे हैं। आयुर्वेद ग्रंथों में नीम को अनेक नामों से संबोधित किया है जैसे अरिष्टक, पीचुमर्द, हींगुनिर्यास। नीम के अन्दर जरा को रोकने की अद्भुत क्षमता है, इसमें कई सारे एन्टी ऑक्सिडेंट पाये जाते हैं जिनमें चर्म रोगों व त्वचागत विकारों में यह लाभदायक सिद्ध होता है। आधुनिक युग के आचार्यों द्वारा भी यह सिद्ध किया जा चुका है कि नीम में एन्टी फंगल व एन्टी बैक्टीरियल प्रोपर्टी पायी जाती है।

क्षिप्रा तट से होगी प्रदेशव्यापी जल संरक्षण अभियान की शुरुआत

सीएम उज्जैन से करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। जल संरक्षण

के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी %खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में% के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान', प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

अभियान' में होंगे महत्वपूर्ण कार्य : पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण, वन्य जीवों के लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं के पुनर्विकास के कार्य किये जायेंगे। अभियान के 90 दिनों में प्रदेश की 90 लघु एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण होगा। नदियों में जलीय जीवों को पुनर्स्थापित किया जाएगा। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 1000 नए तालाबों का निर्माण करेगा। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। नदियों की जल धाराओं को जीवित रखने के लिए गेबियन संरचना, ट्रेंच, पौध-रोपण, चेकडैम और तालाब निर्माण पर जोर दिया जायेगा।

निगम का विशेष सम्मेलन संपन्न, 4 हजार करोड़ का बजट पेश

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। शुक्रवार को निगम का विशेष सम्मिलन निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। बैठक में कार्यसूची के प्रकरणों को विचार विमर्श उपरांत विगत विशेष सम्मिलन के कार्यवृत्त की पुष्टी, मुख्यमंत्री अद्योसंरचना तृतीय चरण अन्तर्गत सिंधी कॉलोनी चौराहे से हरिफाटक ओवर ब्रिज तक सेंटर लाइटिंग व डिवाइडर कार्य के मद परिवर्तन सम्बंधित प्रस्ताव की पुष्टि की जाकर अमृत मित्र 2.0 स्वयं सहायता समूहों को स्वीकृति प्रदान किए जाने सम्बंधित प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

मेयर इन काउसिंल द्वारा प्रस्तुत एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में निगम परिषद द्वारा सर्व सहमति से प्रस्ताव को पारित किया गया।

सम्मिलन में महापौर मुकेश टटवाल द्वारा बजट प्रस्तुत करते हुए अपने भाषण में कहा कि निगम आयुक्त द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 का प्रस्तावित बजट अन्तर्गत कुल प्रस्तावित आय तीन हजार सात सौ इक्तालीस करोड पैसड लाख नब्बे हजार रूपये एवं

प्रस्तावित व्यय राशि रुपए तीन हजार सात सौ इक्तालीस करोड़ चवालीस लाख नब्बे हजार रुपएसहित कुल राशि रुपए21 लाख की बचर का प्रस्ताव मेयर इन काउंसिल की ओर प्रेषित किया गया था। मेयर इन काउंसिल द्वारा प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श उपरांत विस्तृत चर्चा करते हुए प्रस्तावित आय-व्यय में कमी एवं वृद्धित कर उज्जैन शहर की जनता की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए नवीन आवश्यक निर्माण कार्यो को जोड़ते हुए कुल आय राशि रुपएचार हजार सात सौ बयासी करोड इक्यावन लाख छियासी हजार रुपएएवं प्रस्तावित व्यय राशि रुपएचार हजार सात सौ बयासी करोड़ तीस लाख छियासी हजार सहित 21 लाख की बचत का बजट प्रस्तुत किया गया है।

महापौर श्री टटवाल ने बताया कि इस सदन के अपने कार्यकाल में सभी के सहयोग से उज्जैन शहर में जनहित के अनेक उल्लेखनीय कार्य किये है विगत वर्ष कार्तिक मेले की दुकानों का आवंटन ई-टेण्डर के माध्यम से कराया गया जिसके परिणाम निगम को 1 करोड़ 64 लाख की आय प्राप्त हुए। शोक संतप्त परिवारों को मृत्यु प्रमाण पत्र की घर पहुंच सेवा दी जा रही है जिसकी मानिटरिंग स्वयं के द्वारा की जा रही है। विगत दो वर्ष से रंगपंचमी पर्व के अवसर पर नगर गैर का आयोजन किया जा रहा है जिसे व्यापक जनसमर्थन मिला इस वर्ष भी भव्यता से नगर गेर का आयोजन किया गया। महापौर चौपाल एवं वार्ड भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से जनसमस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया गया।

महापौर टटवाल द्वारा कहा गया कि इस बजट में हमने सभी वर्ग के लोगों का ध्यान रखने का पूरा प्रयास किया है। बजट में जिन आवश्यक मदों को समाहित किया गया है। उनमें विशेष कर प्रत्येक वार्ड में बर्तन बैंक की स्थापना हेतु राशि रुपए50 लाख का प्रावधान किये जाने, शहर में विभिन्न स्थानों पर नवदुर्गा प्रतिमा स्थापना के प्रत्येक पण्डाल हेतु 5-5 हजार रुपएका अनुदान दिये जाने हेतु कुल राशि रुपए 30 लाख का प्रावधान किये जाने, देवास रोड, मक्सीरोड, सांवेर रोड, आगर रोड पर आबादी क्षेत्र से बाहर निगम सीमा पर मीट मार्केट/मछली मार्केट/मुर्गा मुर्गी मार्केट का सामुहिक रूप से निर्माण के लिए प्रारंभिक तौर पर 6 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किये जाने, शहर में स्थापित पानी टंकियों के परिसर में आरओ प्लांट स्थापित किए जाने के लिए 5 करोड़ का प्रावधान किये जाने, शहर के चयनित स्थानों पर उद्यानों में योग प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु 50 लाख का प्रावधान किये जाने, रामघाट/शनिमंदिर घाट/सिद्धनाथ घाट पर महिला चेंजिंग रूम स्थापित करने हेतु 50 लाख का प्रावधान किया गया।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर होंगे पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। बुधवार रात 8.30 बजे रामसहाय मार्ग स्थित जीवदया सेवा समिति हाल में 10 अप्रेल गुरूवार को महावीर जन्म कल्याणक पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर जैन सोश्लय ग्रुप के बैनर तले श्वे. मूर्तिपूजक संघ, दिगम्बर जैन संघ, स्थानकवासी जैन संघ के पदाधिकारियों की संयुक्त सभा का आयोजन किया गया। सभा में सर्व सहमति से इस वर्ष आयोजित होने वाले महावीर जन्म कल्याण महोत्सव पर पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन करने का निर्णय लिया गया। सभा के दौरान आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अलग अलग संयोजक टीम का गठन किया। सभा का संचालन जैन सोश्लय ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम ने किया बैठक में मुख्य रूप से स्थानकवासी संघ अध्यक्ष प्रकाश जैन सावेर वाले श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष मनीष व्होरा,दिगंबर संघ अध्यक्ष सुनील जैन पूर्व संघ अध्यक्ष राजेश धाकड़ एस एम सिसोदिया के साथ समस्त समाजजन उपस्थित थे आभार ग्रुप सचिव प्रशांत नाहर ने लिया।

यह होगे पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन

मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने बताया कि सभा में लिए गए निर्णयानुसार 6 अप्रेल रविवार शाम 7 बजे महावीर भवन में सामूहिक नवकार महामंत्र जाप, 7 अप्रेल सोमवार शाम 7 बजे बाल चल समारोह जो महावीर भवन से शुरू होकर पाठशाला भवन पर समापन, 8 अप्रैल मंगलवार शाम 7 बजे पाठशाला भवन को धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 9 अप्रैल बुधवार को सुबह 9 बजे गोपाल गोशाला परिसर में गाय को लापसी, गुड और चारा खिलाकर सेवा कार्य, सुबह 9.30 बजे नवकार महामंत्र के जाप, सुबह 11.30 बजे दरिद्र नारायण को भोजन, रात 8 बजे महिदपुर मार्ग स्थित राजेन्द्र सूरी जैन दादावाड़ी परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10 अप्रेल गुरूवार सुबह 6.30 बजे दिगम्बर जैन मंदिर से प्रभातफेरी, सुबह 9 बजे पाठशाला भवन से जन्म कल्याणक रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा।

उज्जैन में आयोजित राष्ट्रीय 'विज्ञान महाकुंभ 2025' के सत्रों में मध्यप्रदेश में

'इसरो' जैसा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने और वैज्ञानिक हब बनाने की हुई घोषणा

विभिन्न 17 विषयों के सत्रों में देशभर में वैज्ञानिकों ने मंथन करके अनेक निष्कर्षों को रखा सामने

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद्, भोपाल,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय विक्रमोत्सव के अंतर्गत उज्जैन में आयोजित अखिल भारतीय विज्ञान महाकुम्भ 2025 के विभिन्न सत्रों में मध्यप्रदेश में 'इसरो' जैसा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने और वैज्ञानिक हब बनाने की घोषणा के साथ ही राज्य में स्पेस पॉलिसी को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने, कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक और वैज्ञानिक विधियों को अपनाने,शिक्षा प्रणाली में वैज्ञानिक सोच और प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा निजी और सरकारी संस्थानों के बीच विज्ञान और शोध के लिए सहयोग बढ़ाने के साथ ही वैज्ञानिकों ने विज्ञान के अनछुए विषयों पर तार्किक रूप से अपने-अपने विषयों की प्रस्तुति दी।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन और कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक सम्मेलन, विज्ञान उत्सव एवं 40 वा मध्य प्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के सत्रों में जानकारी देते हुए बताया कि, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्चुअल उपस्थित रहकर कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। मध्यप्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। हाल ही में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आईटी विभाग के माध्यम से 4 महत्वपूर्ण नीतियां मध्यप्रदेश ड्रोन सवंर्धन और उद्योग नीति-2025, मध्यप्रदेश एनीमेशन, विजुअल एफैक्टस, गैमिंग कामिक्स और विस्तारित रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) नीति-2025, मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति-2025 और मध्यप्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी)नीति-2025 घोषित की गई हैं। वैज्ञानिक सम्मेलन में स्पेस पॉलिसी बनाने का सुझाव आया है। इस नाते मध्यप्रदेश की स्पेस पॉलिसी तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की थीम 'विकास की बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार एक साथ' प्रासंगिक है।

सांसद फिरोजिया के प्रयास से उज्जैन को मिली एक नई मेल एक्सप्रेस ट्रेन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया के प्रयास से उज्जैन को नईदिल्ली कि यात्रा के लिए एक नई मेल एक्सप्रेस सुपर फास्ट ट्रेन की सोगात मिली है। पूर्व से ही सांसद श्री फिरोजिया द्वारा रेल मंत्रीजी अश्विनी वैष्णव से निरन्तर आग्रह किया जा रहा था कि बाबा महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन हेतु दिल्ली और उसके आसपास के हजारों की संख्या में दर्शनार्थी प्रतिदिन उज्जैन आ रहे है। पूर्व में संचालित ट्रेनों में यात्रीयों को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। सांसद श्री फिरोजिया की पहल पर रेल मंत्रीजी अश्विनी वैष्णव ने इंदौर-नईदिल्ली व्हाया उज्जैन के बीच एक नई ट्रेन की मांग को स्वीकृत किया। साथ ही इस संदर्भ में रेलवे बोर्ड से आदेश भी जारी कर दिये गये हैं। इस नई ट्रेन की सुविधा क्षेत्र की जनता को बहुत जल्दी प्राप्त होगी।

रेलवे बोर्ड ने एक आदेश निकालकर ट्रेन कमांक 20156 / 155 नईदिल्ली डॉ. अम्बेडकर नगर व्हाया कोटा, नागदा, उज्जैन देवास इंदौर होकर चलाने की स्वीकृति प्रदान की है। यह ट्रेन अतिशीघ्र प्रारंभ होगी इस नई रेल सुविधा के प्रारंभ होने से इंदौर उज्जैन देवास नागदा के यात्रियों को नईदिल्ली जाने के लिये प्रतिदिन नई रेल सुविधा प्राप्त होगी।

इस नई रेल सुविधा को प्रारंभ करने के लिये उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

मप्र शिक्षक संघ का शपथ और होली मिलन समारोह आयोजित

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की उज्जैन जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम तथा होली मिलन समारोह मेलेश्वर महादेव मन्दिर आलोट जागीर मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के उज्जैन ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ मुख्य अतिथी के रूप मे उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित शिक्षक संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह डोड़िया ने की। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ संभागीय सचिव जगदीश सिंह केलवा द्वारा दिलाई गयी। कार्यक्रम को संभागीय अध्यक्ष सुभाषचन्द्र पाटीदार, संभागीय संगठन मंत्री राजेन्द्र रावल, जिला संगठन मंत्री प्रवीण भाटी तथा प्रदेश के समर्थ भारत आयाम के प्रमुख दिग्विजय सिंह चौहान ने संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन तहसील सचिव नन्दराम अटोलिया ने किया। कार्यक्रम में जिला सचिव महेश पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष सीताराम सिसोदिया, महिला शाखा प्रमुख श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती किरण ठाकुर, श्रीमती तमन्ना सोलंकी, उपमा शर्मा, धीरज चौकसे, मनीष पोरवाल, देवेंद्र सिंह राठौर, सुनील सोनावा, धिरेन्द्र सिंह पंवार, निर्भयराम अटोलिया, रामकिशन नायमा, भरत पाटीदार, गोवर्धन लाल सागित्रा,आनन्द मीणा, मुकेश रघुवंशी, भागीरथ नन्देड़ा, दीपक घोचा तथा सभी तहसील और विकासखण्ड के सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित हुए। बैठक मे नव वर्ष प्रतिपदा, लोकमाता देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती सदस्यता शिक्षकीय समस्या और निदान तथा आगामी संघ के कार्यक्रमो की योजना बनाई गयी।उक्त जानकारी शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता वैदेश्य चंदेल द्वारा दी गयी।

सेवादल कार्यकर्ता त्याग, सेवा व समर्पण की भावना से कार्य करते हैं: रोचवानी

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण का संवाद कार्यक्रम शुक्रवार देर शाम आगर रोड पुराने नाके पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अतिथि के रूप में मौजूद विधायक महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, नेता प्रतिपक्ष रवि राय मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस सेवादल उपाध्यक्ष 'संभागीय प्रभारी' अरूण रोचवानी ने करते हुए सेवादल के लंबे इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेवादल के कार्यकर्ता त्याग, सेवा, समर्पण की प्रतिमूर्ति हैं वे गुटबाजी, निजी स्वार्थ से हटकर कांग्रेस संगठन की मजबूती हेतु कार्य करते हुए आम आदमी के हितों के लिए संघर्षरत रहते हैं। महिदपुर के शांतिलाल छजलानी ने कहा की किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ता की सक्रियता पर निर्भर करती है, सेवादल ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे कार्य करते हुए लोगों को कांग्रेस की नीतियों से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है। महिदपुर नपा के पूर्व अध्यक्ष कय्यूम नागोरी, बाबूलाल थावलिया, पार्षद सपना गैहलोत, अभिषेक शर्मा, एन एस यू आइ के प्रदेश उपाध्यक्ष डा विजय बोड़ाना ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दूर दराज से आए कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इससे पूर्व सेवादल के संस्थापक डा एन सुब्बाराव के चित्र पर माल्यार्पण कर सेवादल की महिला कार्यकर्ताओं ने सेवादल गान प्रस्तुत किया। अतिथियों का सूत की माला पहनाकर स्वागत डा अंतरसिंह चौधरी, महिला सेवा दल अध्यक्ष लीलाबाई परिहार, लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, राजेन्द्र चंदेल,शेर खान, मयंक राजपूत, पोप सिंह पंवार, हेमंत कोली, कृष्णपाल सिंह दशौंती, राजेंद्र सिंह सोलंकी,देवीलाल जाटव,अलका सोलंकी, ललिता मीणा,कुलदीप सुरावत,मुकुल घुरिया,योगांश शर्मा, चन्दु यादव,विनोद चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रजनीश तिवारी, विक्रमसिंह महूडी, पुरुषोत्तम ठाकुर, राजेन्द्र सिंह सोलंकी, राधेश्याम डाबी, अशोक पांचाल, सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने किया। संचालन जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण अध्यक्ष डा चैनसिंह चौधरी व आभार शहरकांग्रेस सेवादल अध्यक्ष कुलदीप सिंह जाट ने किया।

ग्रेसिम मजदूर यूनियन एटक की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। दिनांक 28/3/2025 को ग्रेसिम मजदूर युनियन एटक की वार्षिक साधारण सभा एटक कार्यालय डी 12 बिरलाग्राम में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम भगतसिंह, का. अम्बालालाल शर्मा, का. शारदा सोनी के चित्रो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। सभा की अध्यक्षता कामरेड दिलीप पांचाल ने की। युनियन का वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कामरेड हृदयचंद जी ने सभी सदस्यो का पूरे वर्ष की गतिविधि की जानकारी दी। ठेकेदारी मजदूरो की बोनस की जानकारी सरकार द्वारा बढाये गये बढोतरी के बारे में विस्तार से समझाया। दिलीप पांचाल ने सदस्यो की समस्या सुनी एवं उनके निराकरण के लिये आश्वस्त किया। युनियन के द्विवर्षीय चुनाव भी सम्पन्न हुए। जिसमें सर्वसम्मति से का. दिलीप पांचाल को अध्यक्ष, का. हृदयचंदजी को प्रधानमंत्री, का. सोमदेव पाल, का. मदन जाट को मंत्री, का. जयंत बोराल, का. प्रभुलाल राठौड को उपाध्यक्ष, का. जयप्रकाश सोनी को कोषाध्यक्ष, एवं का. महेश सोनी, का. राजबहादुर पाल, का. विजेन्द्र पांचाल, का. आकाश यादव, का. राहुल मावर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

भावसार समाज ने मनाया कुलदेवी मां हिंगलाज का प्राकट्योत्सव

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। भावसार समाज उज्जैन द्वारा गुरुवार को माँ हिंगलाज तेरस के दिन कुलदेवी माँ हिंगलाज का प्राकट्योत्सव मनाया गया। भावसार समाज उज्जैन के अध्यक्ष इंजी. संजय भावसार द्वारा बताया गया कि माँ हिंगलाज तेरस की पूर्व संध्या पर बुधवार को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के गायक कलाकारों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। गुरुवार को माँ हिंगलाज के प्राकट्य दिवस पर सुबह कुलदेवी माँ हिंगलाज का पंचामृत से अभिषेक कर पूजन किया। साथ ही हवन कर पूर्णाहुति की गई। प्रातःकाल पूजन में समाज के बारह जोड़ों ने यजमान के रूप में उपस्थित होकर विधि विधान से पूजन अर्चन किया। शाम को समाज द्वारा क्षीरसागर स्थित गाँधी बलोद्यान से भावसार समाज उज्जैन की धर्मशाला तक फुलपाती और चल समारोह निकाला गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सुनील भावसार, मनोज भावसार, कोषाध्यक्ष नरेश पंवार, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रजनी मनोज भावसार, महिला मंडल सचिव श्रीमती जया धीरज भावसार, यंग सोश्यल ग्रुप अध्यक्ष विशाल भावसार, नवयुवती मंडल अध्यक्ष सोनाली राहुल भावसार, समस्त कार्यकारिणी सदस्य और देवतुल्य समाजजनों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अभिनेता गोविंदा ने किये बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन, निप्र। अभिनेता गोविंदा ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँचे व श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। पुजन राजेश पुजारी, दिनेश पुजारी व आकाश पुजारी द्वारा सम्पन्न करवाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से एस.एन. सोनी व श्रीमती सिम्मी यादव द्वारा गोविंदा का स्वागत व सत्कार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आबकारी विभाग ने कार से देशी शराब की दो पेटी पकड़ी, एक को किया गिरफ्तार

देवास, निप्र। मुखबिर की सूचना पर आबकारी दल ने कार को रोका तो उसमें देशी शराब की दो पेटी मिली। कलेक्टर ऋषिराज सिंह ने निर्देश दिए है कि जिले में अवैध शराब के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण करने वालों पर कार्रवाई करें. इसी कड़ी में कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही हैं। सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित ने बताया कि आबकारी दल द्वारा 28 मार्च को देवास शहर में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिसमें मुखबिर सूचना के आधार पर किर्लोस्कर कंपनी के पास एक कार से दो पेटी देशी शराब प्लेन का परिवहन करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया। जिसके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए,जब्त सामग्री एवं वाहन का बाजार मूल्य लगभग 257000 रुपए है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक, प्रेम यादव, आबकारी मुख्य आरक्षक राजाराम रैकवार, दीपक धुरिया आरक्षक आशीष सैनिक किशोर सिसोदिया संतोष,अनिल ककोड़िया सम्मिलित रहे।

अंतर जिला रष्ट्रीय एथलेटिक चैपियनशिप चयन स्पर्धा 12 अप्रैल को

देवास, निप्र। देवास जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मदनलाल कहार एवं सचिव अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय राष्ट्रीय अंतर जिला एथलेटिक चैपियनशिप जो कि 16 जून से आयोजित होगी जिसमें भारतवर्ष के संपूर्ण जिला के खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में 12 से 14 वर्ष बालक बालिका एवं 14 से 16 वर्ष के बालक बालिका भाग लेंगे। प्रत्येक जिले से 13 खिलाड़ी एवं कोच मैनेजर भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता भारतीय एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाती है, जिसमें टैलेंट के आधार पर विशेष ट्रेनिंग हेतु खिलाडियों का चयन भी किया जाता है। इस कड़ी में देवास जिला एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा देवास जिला टीम का चयन 12 अप्रैल को सरदाना इंटरनेशनल स्कूल पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में चयनित खिलाडियों को अपना यूआईडी कार्ड बनाना अनिवार्य होगा जो कि भारतीय एथलेटिक फेडरेशन द्वारा जारी किया जाता है। इस चैंपियनशिप में जिन खिलाडियों को भाग लेना है वे राजीव श्रीवास्तव, पवन यादव, जितेंद्र गोस्वामी, निरंजन यादव, धर्मेंद्र भदोरिया आदि से संपर्क कर सकते हैं। प्रतियोगिता 12 अप्रैल को प्रात: 9 बजे सरदाना इंटरनेशनल स्कूल पर होगी इसमें देवास जिले के खिलाड़ी भाग ले सकते है।

चांवरिया पर्वत आम गुराडिया में शतचंडी महायज्ञ एवं संगीतमय भागवत कथा आज से

सोनकच्छ, निप्र। ग्राम आम गुराडिया स्थित चांवरिया पर्वत पर स्थित मां बिजासन माता मंदिर पर पंच कुण्डीय नव दिवसीय हव एवं श्री शतचंडी महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन दिनांक 31 मार्च 2025 से से दिनांक 6 अप्रैल 2025 तक भागवत कथा का समय 12 से 3:00 बजे भागवत कथा वाचक पंडित बाबूलाल जी रावत एवं दो दिवसीय देवनारायण कथा देवनारायण कथा वाचक प्रभु लाल जी पंडा मगरियावाले रहेंगे। देवनरायण कथा दिनांक 3 एवं 4 अप्रैल शाम रात्रि 8:00 बजे से यज्ञ आचार्य पंडित अशोक जी उपाध्याय यज्ञ ब्रह्मा पंडित अजय जी शर्मा दीपक जी शर्मा रहेंगे समिती के लोगो ने अधिक से अधिक भक्तजन कथा में पधारे और मां का दर्शन करें । यह जानकारी पुर्व सरपंच बलवान सिंह सेंधव ने दी।

महापौर ने किया मुख्य मुक्तिधाम का निरीक्षण

प्रवेशद्वार तरफ के हिस्से में बनेगी बाउंड्रीवॉल, लगेंगे पैवर्स ब्लॉक,पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए डलेगी नर्मदा की पाइप लाइन

विनय उजाला

देवास, निप्र। शहर के मुख्य मुक्तिधाम की व्यवस्था ऐसी होना चाहिए जिससे यहां पर आने वाले मृतकों के परिजन के साथ आम नागरिकों को अच्छी सुविधाएं प्रदान हो। मुक्तिधाम में सुविधा अच्छी होगी तो शहर के साथ साथ नगर निगम की छवि आमजन की नजर में अच्छी बनी रहे। इस भावना को लेकर शुक्रवार 28 मार्च को महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल द्वारा मुख्य मुक्तिधाम का निरीक्षण विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, निगम स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस,यातायात एवं परिवहन समिति अध्यक्ष मुस्तफा अंसार एहमद, पार्षद प्रतिनिधि राज वर्मा, रूपेश वर्मा के साथ किया जाकर आवश्यक दिशा निर्देश मौके पर जारी किए गए. महापौर के द्वारा मुक्तिधाम में साफ सफाई, पानी, विद्युत, लकडी, कण्डे, श्रद्धांजलि स्थल, बैठक स्थल, अंतिम संस्कार स्थल के साथ ही सुविधा घरों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान महापौर ने प्रवेश द्वार की आवश्यक रिपेरिंग, रंगाई पुताई के साथ ही प्रवेश द्वार तरफ के हिस्से में बाउंड्रीवाल निर्माण के साथ ही आवश्यक पैवर्स ब्लाक, पौधारोपाण करने के निर्देश जारी किए गए। महापौर ने कहा कि यहां पर श्रद्धांजलि सभा स्थल की कुर्सियों के आवश्यक सुधार के साथ ही सीढियों की रिपेरिंग करने तथा मुख्य दिवार पर पेंटिंग की जाए। मृतक के दाह संस्कार के पूर्व शव रखे जाने वाले स्थल के आवश्यक सुधार करने के भी निर्देश जारी किए गए। महापौर द्वारा यहां पर लगे हाई मास्ट को मध्य स्थल में लगाने के निर्देश जारी किए ताकि सम्पूर्ण मुक्तिधाम स्थल में विद्युत व्यवस्था बनी रहे। इसके अलावा प्रवेश द्वार के अन्दर के हिस्से तक बन्द पड़ी विद्युत लाइटों को शीघ्र चालू करने के निर्देश मौके पर ही विद्युत प्रभारी पलक श्रीवास्तव को दिए गए। महापौर द्वारा सुविधा घर की पानी की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। पानी की व्यवस्था निर्बाध रूप से बनी रहे इस हेतु नर्मदा के पानी की पाइप लाइन डालने, जोडने के निर्देश भी निगम जलप्रदाय उपयंत्री दिलीप मालवीय को मौके पर दिए गए। यहां पर आवश्क रिपेरिंग के भी निर्देश जारी किये गये। महापौर द्वारा मुक्तिधाम स्थल के सम्पूर्ण परिसर को नवीनी करण करने के निर्देश जारी करते हुए कहा कि यहां पर पेवर्स ब्लाक लगाए जाकर परिसर को सुदृढ रूप प्रदान करें। उन्होंने लकडी कण्डे के शेड्स का भी निरीक्षण किया। यहां पर पर्याप्त मात्रा में लकडी की व्यवस्था होने हेतु ठेकेदार से लकडी प्रदाय हेतु सहायक स्वास्थ्य अधिकारी हरेन्द्रसिह ठाकुर को मौके पर निर्देश जारी किए गए। महापौर द्वारा निरीक्षण में कण्डे प्रदाय स्थल का भी निरीक्षण किया गया तथा कण्डे के वजन को भी यहां स्थित तोल कांटे पर अपने समक्ष तुलवाया गया। जिसमें कण्डे का वजन 1 किलो 25 ग्राम निकलने पर महापौर को इसी वजन के आधार पर ठेकेदार को भुगतान किए जाने की जानकारी मुक्तिधाम व्यवस्थापक द्वारा दी गई।

महापौर ने गेस चलित शवदाह गृह का भी निरीक्षण किया। इसको संचालित करने वाली कम्पनी के कर्मचारी द्वारा संचालित करने की जानकारी दी गई। महापौर ने इसके संचालन हेतु निगम कर्मचारी को प्रशिक्षण दिलाए जाने के निर्देश जारी किए। यहां पर शव रखने के फ्रिजर में 3 फ्रिजर में से दो चालू व 1 की रिपेंरिंग की जानकारी महापौर को दी गई। मुख्य मुक्तिधाम के प्रवेश द्वार के बाई तरफ की सुरक्षा दीवार पर निगम द्वारा भगवान शिवजी व अन्य चित्रों की पेंटिंग के कराए जा रहे कार्य को भी देखा। महापौर ने निगम स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष श्री बेस को कहा कि वे प्रति सप्ताह यहां का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखे। महापौर के निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता नयन कानूनगो, कैलाश दशोरे, निगम सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी, कार्यालय अधिक्षक अशोक देशमुख, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी हरेन्द्रसिह ठाकुर, उपयंत्री शयम सुन्द रघुवंशी आदि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय पोषण भी पढ़ाई भी का दिया गया प्रशिक्षण

विनय उजाला

देवास, निप्र। भारत सरकार के निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर ऋषिराजसिंह एंव जिला कार्यक्रम अधिकारी रेलम बघेल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास परियोजना बागली आदिवासी का सीएम राईज स्कूल बागली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की क्षमता निर्माण के लिए तीन दिवसीय पोषण भी पढाई भी अतंर्गत 0 से 3 वर्ष के बच्चों से प्रारंभिक बाल्यावस्था उदीयन एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के शुद्धीकरण के लिए पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. उन्होंने बताया कि पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम सक्षम आंगनबाड़ी एवं मिशन पोषण 2 के तहत एक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत क्षमता संवर्धन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं मे ईसीसीई पाठक्रम और व शैक्षणिक दृष्टिकोण की बुनियादी साक्षरता एव सख्यात्मकत के मूल्यांकन मे क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाना है। भारत सरकार द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए ईसीसीई हेतु नेशनल कुरीकुलम 2024 आधारसिल एवं 0 से 3 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था उदीयन के लिए नेशनल फेमवर्क नवचेतना तैतर किए गए हैं. पोषण भी पढाई भी अन्तर्गत आधारशिला एंव नवचेतना को आंगनवाड़ी केन्द्र मे क्रियान्वित करने के सबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण किया जाएगा. आधारशिला अनुसार 3 से 6 वर्ष के बच्चों की सालपुर शिक्षा के लिए भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया प्रशिक्षण की गतिविधियों को साप्ताहिक कैलेंडर में शामिल किया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा साप्ताहिक कैलेंडर के अनुसार बच्चों को साथ गतिविधियों का भी संग्रह है. 277 कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण तीन बेच में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस मास्टर ट्रेनर्स शिलमणी पाल, जुबेदा बानू, अनामिका राजपूत, सीमा खोचनवार, यशोदा मालवीय, कौशल्या मालवीय, ललीता जाट, शुचीत्रा तंवर, चंदा सारसीया, गोपाल डांगी द्वारा दिया गया। इस इस अवसर पर प्रभारी परियोजना अधिकारी नायब तहसीलदार पीहू कुरील, सहायक प्रभारी अनिता दुबे उपस्थित थे।

ध्वज पूजन के साथ हुआ भगवान झूलेलाल महोत्सव का शुभारंभ

विनय उजाला

देवास, निप्र। पूज्य सिंध हिन्दू पंचायत द्वारा पांच दिवसीय भगवान झूलेलाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सनातनी परम्परा के साथ 26 मार्च को अध्यक्ष अनिल पंजवानी, महिला अध्यक्ष दिव्या आहूजा एवं समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में ध्वज पूजन कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इसी दिन दरिद्र नारायणों का भंडारा संपन्न हुआ। अध्यक्ष अनिल पंजवानी एवं सचिव अशोक पेशवानी ने बताया कि 27 मार्च को समाज के सदस्यों द्वारा शिक्षाप्रद नाटक कहानी घर घर की का मंचन किया गया। जिसमें आज हर घर की इस ज्वलंत समस्या प्रकाश डाला गया।

नाटक के मंचन में कलाकर के रूप अध्यक्ष अनिल पंजवानी, संवरक्षक विष्णु तलरेजा, अशोक पेशवानी, मनोज राजानी, पूरण तलरेजा, महेश राजानी, कन्हैया नेनानी ,महिला मंडल से दीपिका लछवानी, सोनी आहूजा ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। स्क्रिप्ट के लिये सुरेश राचंदानी,ओर कैलाश तारानी का सराहनीय प्रयास रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजनों उपस्थिति थे जिन्होंने नाटक की खुलेदिल से प्रशंसा की। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संजय तलरेजा ने दी।

मप्र सहित महाराष्ट्र में करोड़ों की ठगी करने वाले दंपति को देवास पुलिस ने ढूंढ निकाला

गुजरात में पहचान छिपाकर छूपे थे. बरोठ में डेढ करोड तो देवास शहर में लगाई थी 98 लाख रुपए की चपत

विनय उजाला

देवास, निप्र। देवास पुलिस को बडी सफलता हाथ लगी हैं. देवास जिले में लोगों से करोडों रुपए की ठगी कर फरार दंपत्ति को पुलिस ने ढूंढ निकाला। दंपत्ति लोगों का पैसा खाकर पिछले सात साल से फरार थे। पूरे मप्र के अलग -अलग आठ थानों व एक महाराष्ट्र के थाने पर भी इनके खिलाफ धोखाधडी करने का केस दर्ज हैं। दंपत्ति ने लोगों से साढे आठ करोड की ठगी की हैं। इसमें देवास शहर में 98 लाख रुपए की व बरोठा में डेढ करोड की ठगी शामिल हैं।

थाना कोतवाली एवं जिला स्तरीय सायबर टीम गठित कर सात वर्षों से फरार स्थाई वारण्टी सचिन पिता शंकर सिंह सिसोदिया निवासी 313 बाहेती कॉलोनी बडवाह, रीमा सिसोदिया पति सचिन सिसोदया निवासी सदर की तलाश के लिए बडोदरा गुजरात भेजा गया था। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत व प्रयास से 7 वर्षों से फरार अलग-अलग जिलो के 9 थानों के वांटेड आरोपी सचिन एवं उसकी पत्नी रीमा सिसोदिया जो नाम बदलकर तथा अपनी पहचान छिपाकर रहने के संबध में जानकारी एकत्रित कर उनके वर्तमान निवास स्थान के संबंध में जानकारी एकत्रित कर उनके वर्तमान निवास स्थान वडोदरा, गुजरात से गिरफ्तार किया. दंपत्ति को देवास थाना लाया गया जिनसे पृथक-पृथक अपराध के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा करीबन 8.5 करोड रुपए उक्त आरोपीगण तथा उनके साथीगणो द्वारा धोखाधडी करना बताई गई , शेष पूछताछ जारी है। तथा उक्त आरोपीगणों के संबध में अन्य थानो से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा रही है।

लोगों को ऐसे ठगा : आरोपियों द्वारा इंदौर की कंपनी जो की मेगा मांइड ट्रेकिंग कंसलटंसी साफ्टेक प्रा.लि.के नाम से थी उसकी लुकचुप एप्लिकेशन जो की सोशल मिडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसा होकर उसे आपरेट करने व उसका प्रमोशन करने हेतु फ्रेंचायसी देकर अलग-अलग जिलों एवं राज्यों में काम करने हेतु प्रलोभन देकर लगभग 8.5 करोड रुपये की धोखाधडी की।

पति-पत्नी का आपराधिक रिकार्ड देवास कोतवाली में 420,406,34 भादवि 98 लाख रुपए, बरोठा देवास 420,406,120बी, 34 भादवि, 1 करोड 50 लाख रुपए, पीथमपुर धारा 420,34 भादवि 25 लाख रुपए, धरमपुरी 420, 409, 120बी भादवि 15 लाख रुपए, शाजापुर 526/2020420, 120बी,34 भादवि 1 करोड रुपए, औधोगिक क्षैत्र,रतलाम 349/2023 420, 34 भादवि 5 लाख 90 हजार रुपए, तेजाजीनगर, इन्दौर 390/2019 420,34 भादवि 80 लाख रुपए, नीलगंगा उज्जैन 59/2022 420,34 भादवि 17 लाख रुपए, हिन्जवाडी, पुणे महाराष्ट्र 734/2023 420, 406 भादवि 04 करोड 39 लाख 94 हजार रुपए।

सोनकच्छ में उत्साह के साथ मन रहा गणगौर पर्व

सोनकच्छ, निप्र। नगर में गणगौर पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। शिव-पार्वती की आराधना के इस पावन अवसर पर नगर के महेश्वरी समाज महिला मंडल, नागर चित्तोड़ा महिला मंडल और स्वर्ण समाज महिला मंडल की महिलाएं स्थानीय अन्नपूर्णा देवी मंदिर पर प्रतिदिन शाम को भक्ति गीत गा रही हैं।

ढोल-ताशों के साथ बाना निकाला जा रहा है। इस दौरान महिलाएं दूल्हा-दुल्हन की वेशभूषा में नाचती-गाती नजर आईं। महिलाएं ईशर जी और गौराजी को सर पर रख बाना निकाला जिसमें महिलाएं भजनों पर नृत्य करते हुए बाने में चलती है।

भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर

ब्राह्मण समाज 4 मई को भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा धूमधाम से निकालेगा

अक्षय तृतीया पर होगा भगवान परशुराम जी का पूजन, अभिषेक

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। परमपिता परमेश्वर भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार, ब्राह्मणों के आराध्य तथा शौर्य के प्रतीक भगवान श्री परशुरामजी के जन्मोत्सव को मनाने को लेकर गत दिवस स्थानीय गीता भवन पर ब्राह्मण समाज की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें समाज के वरिष्ठ एवं युवा शामिल हुए। बैठक की जानकारी देते हुए समाज अध्यक्ष मनीष जोशी ने बताया कि बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से इस वर्ष भी परम्परानुसार श्री परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया जिसके अंतर्गत अक्षय तृतीया एवं भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 30 अप्रैल बुधवार को सुबह 7 बजे से कालीसिंध मार्ग स्थित प्राचीन भरतदास जी मंदिर में विराजित भगवान परशुराम जी की प्रतिमा का अभिषेक, पूजन, अर्चन एवं आरती कर प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

इसी तारतम्य में दिनाँक 04 मई 2025 रविवार को दोपहर 2.30 बजे से बाईक रैली निकाली जाएगी जो श्री खेड़ापति हनुमान मन्दिर साँवेर से प्रारम्भ होकर अपने परम्परागत मार्गों से होते हुए श्री गीता भवन सोनकच्छ पर समाप्त होगी। वही बाइक रैली के पश्चात शाम शोभायात्रा शाम 5:00 बजे स्थानीय गीता भवन से प्रारंभ होकर अपने परंपरागत मार्गों से होते हुए, पुन: गीता भवन पहुंचेगी जहां भगवान परशुराम जी की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया जाएगा तथा समाजजनों के सहभोज के बाद शोभायात्रा का समापन किया जाएगा। शोभायात्रा में चलित बैंड,ढोल,बग्घी, झांकी विशेष आकर्षण रहेंगे। शोभायात्रा में नगर व तहसील के कई गांवों से बड़ी संख्या में समाज जन शामिल होंगे। समाज के पदाधिकारियों तथा युवाओं द्वारा घर-घर जाकर शोभायात्रा का आमंत्रण दिया जाएगा।

वैश्य दिवस गुड़ी पड़वा पर चल समारोह निकाला जाएगा

सोनकच्छ, निप्र। प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी वैश्य दिवस (गुड़ीपड़वा) के पावन अवसर पर सोनकच्छ नगर में एक विशाल चल समारोह प्रात: 8:30 बजे गीताभवन से बैण्ड, बाजे और माता लक्ष्मी का चित्र, बग्गी में विराजमान करवाकर प्रारम्भ किया जावेगा जिसमें जिले के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेगे तथा चल समारोह का विभिन्न स्थानों पर स्वागत भी किया जावेगा यह चल समारोह महात्मा गांधी मार्ग, डाक बंगला रोड़, सोमवारिया, चमन बाजार से होते हुए नगर के सभी मंदिरो के दर्शन करते हुए माता लक्ष्मी को नागर चित्तौड़ा धर्मशाला में विराजमान किया जावेगा तथा सोनकच्छ नगर के बुजुर्ग वैश्य भाईयो और बहनो का सम्मान किया जाएगा।

चल समारोह में बहने लाल चुनरी या साडी मे एवं भाईयो से सफेद कुर्ता-पजाम पहनकर आवे एवं जब माता लक्ष्मीजी का चल समारोह आपके घर के सामने से निकले तो लक्ष्मी माता की आरती व श्रद्धासुमन अर्पित करें।

शनिचरी अमावस्या पर शनिधाम लकुमड़ी में हजारों श्रद्धालुओं ने किए शनिदेव के दर्शन

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। शनिचरी अमावस्या पर शनिधाम लकुमड़ी में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव के दर्शन किए तथा पूजा अर्चना करते हुए मनोकामना मांगी। सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शनिदेव के दर्शन के लिए शनिधाम पहुंचे तथा शनिदेव को तेल,काला कपड़ा तथा नारियल चढ़ाकर मनोकामना मांगी। दोपहर 12 बजे शनिदेव की महाआरती उतारी गई। साथ ही भगवान देवनारायण की कथा का भी आयोजन किया गया। प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। गौरतलब है कि ग्राम लकुमड़ी में अतिप्राचीन भगवान शनिदेव का मंदिर स्थित है। यह स्थान तीन जिलों देवास, शाजापुर तथा सिहोर के केंद्र में स्थित है।

नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं के सुगमता और अच्छे से दर्शन हों इसका विशेष ध्यान रखें

कलेक्टर ने माताजी की टेकरी पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विनय उजाला

देवास, निप्र। चैत्र नवरात्रि पर्व रविवार 30 मार्च से प्रारंभ हो रहे हैं। नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तौर पर व्यवस्थाओं/तैयारियां की गई। कलेक्टर ऋषिराज सिंह ने माताजी की टेकरी पहुंचकर चैत्र नवरात्रि पर्व की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने टेकरी क्षेत्र का भ्रमण कर सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर बिहारी सिंह, नायब तहसीलदार निधि राजपूत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि गर्मी का मौसम है, इसलिए पानी की जरूरत ज्यादा रहती है। टेकरी परिसर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था रहे।

उन्होंने निर्देश दिए कि टेकरी परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार कि असुविधा ना हो। दर्शनार्थियों को माताजी के दर्शन सुगमता और अच्छे से हों इसका विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने नवरात्रि के दौरान अलांउन्समेंट सिस्टम, खोया-पाया काउण्टर सुचारू चलाए जाने के निर्देश दिए। टेकरी पर ऑनलाइन दान के लिए अतिरिक्त क्यू आर कोड के फ्लेक्स लगाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने टेकरी परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के निर्देश दिए.

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भिक्षुओं को टेकरी परिसर में पूर्णत: प्रतिबंधित किया जाए। रोप-वे की ट्रायल उपरांत ही दर्शनार्थियों की एन्ट्री दी जाएं। सभी विभागों के कर्मचारी आधिकारियों कि ड्यूटी चौबीसों घण्टे राउण्ड क्लॉक रहे। ड्यूटी कर्मचारियो कि उपस्थिति प्रतिदिन ली जाए। सम्पूर्ण टेकरी परिसर क्षेत्र में टेन्ट, कार्पेट एवं ड्यूटी कर्मचारियों के बैठने के लिए टेबल व कुर्सी की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए।

"विक्रम सम्वत् 2082" भारतीय नववर्ष, सृष्टि आरंभ दिवस एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विक्रमोत्सव

26 फरवरी से 30 जून 2025

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अर्जुनराम मेघवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विधि एवं न्याय, भारत सरकार

प्रदेश स्तर पर ब्रह्मध्वज स्थापना एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति

वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन
सायं 5:00 बजे, कोठी महल

रुद्र सागर, लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन
सायं 6:30 बजे, श्री महाकाल-महालोक परिसर

सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण
सायं 6:00 बजे, महाराजवाड़ा परिसर

30 मार्च, 2025, उज्जैन

जन सहभागिता से जलस्रोतों को सहेजने के लिए
जल गंगा संवर्धन अभियान
शुभारंभ
30 मार्च से 30 जून, 2025
सायं 7:00 बजे, क्षिप्रा तट

'जल दूत' के रूप में सहभागिता के लिए
mybharat.gov.in पर पंजीयन करायें

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP D11218/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं 37/1, महादजी मार्ग, कार्तिक चौक, उज्जैन से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - पराग पांचाल *, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, 0734-4011949, मो. 9425910888, 9424515199, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.